राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार, 23 जनवरी–2022 वर्ष–4,अंक–361 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त खबरें

अखिलेश को कम पड़ीं सीटें तो कांग्रेस देगी समर्थन

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने चुनाव बाद समाजवादी पार्टी (सपा) से गठबंधन की संभावना को स्वीकार करते हुए कहा है कि यदि अखिलेश यादव को सरकार बनाने के लिए कुछ सीटें कम पड़ती हैं तो कांग्रेस को समर्थन करने में कोई दिक्कत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि बस इसके लिए शर्त यह होगी कि युवाओं और महिलाओं के लिए कांग्रेस के बनाए अजेंडे को पूरा कर दिया जाए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने शनिवार को न्यूज 24 को दिए इंटरव्यू में साफ किया कि उनकी पार्टी चुनाव बाद सपा से गठबंधन को स्वीकार है। प्रियंका गांधी से पूछा गया कि कभी ऐसा मौका आया जब सभी को साथ आना पड़ा, तो आप अखिलेश को समर्थन देंगी? इसपर प्रियंका गांधी ने कहा "यदि ऐसी परिस्थितियां आई तो मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई दिक्कत होगी।" इसके बाद पूछा गया कि यदि अखिलेश कुछ सीटों से पीछे रह जाएं तो कांग्रेस उन्हें समर्थन देगी? इसपर प्रियंका का जवाब था, "बशर्ते मेरे युवाओं, महिलाओं का अजेंडा लागू हो।" प्रियंका ने कहा कि वो विचारधारा की लड़ाई लड़ रही हैं और उनका मकसद महिलाओं को सशक्त बनाना है । उन्होंने कहा, "हम बहुत मजबूती से लड़ रहे हैं। सत्ता पाएंगे या नहीं? ये भविष्यवाणी तो मैं कर नहीं सकती हूं। लेकिन मैं ये कहना चाहती हूं कि जो हमारा संघर्ष हैं, वो महिलाओं और युवाओं के लिए है। किसी न किसी को तो इनकी बात करनी पड़ेगी। ये सिर्फ सत्ता में आने का माध्यम नहीं है।" प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने जिन गरीब और कमजोर महिलाओं को उम्मीदवार बनाया है पार्टी उनके साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

दिल्ली: गणतंत्र दिवस परेड

नौसेना की झांकी में दिखेंगी 1946 के नौसेनिक विद्रोह की झलकियां, महिला अधिकारी करेगी मार्चिंग दल का नेतृत्व

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस के मौके पर राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में होने वाली परेड की तैयारियों जोरों पर हैं। इस बार भारतीय नौसेना की झांकी में 1946 के नौसेना विद्रोह को दशार्या जाएगा जिसने देश के स्वतंत्रता संग्राम में बड़ा योगदान दिया था। इसके मार्चिंग दल का नेतृत्व एक महिला अधिकारी करेगी। झांकी में नौसेना की थीम 'युद्ध के लिए तैयार, विश्वसनीय और एकजुट' का प्रदर्शन भी किया जाएगा। इस संबंध में नौसेना की ओर से शनिवार को जारी एक बयान में कहा गया कि नौसैनिक दल में 96 पुरुष, तीन प्लाटून कमांडर और एक आकस्मिक कमांडर शामिल हैं। इसका नेतृत्व लेफ्टिनेंट कमांडर आंचल शर्मा करेंगी। बयान के अनुसार जून 2016 में नौसेना में शामिल हुई लेफ्टिनेंट कमांडर शर्मा भारतीय नौसेना एयर स्क्वाड्रन (आईएनएएस) 314 में पर्यवेक्षक अधिकारी के तौर पर नियुक्त हैं। आंचल शर्मा ने नौसेना के मार्चिंग दल का नेतृत्व करने के लिए चयनित किए जाने को लेकर कहा कि यह वास्तव में सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि दल का उत्साह और ऊर्जा अद्वितीय है। बयान में आगे कहा गया,

हमारा देश स्वतंत्रता के 75 वर्ष को 'आजादी का अमृत महोत्सव' के रूप में मना रहा है, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में नौसेना के योगदान का झांकी में विशेष पूर से उल्लेख किया जाएगा। लेफ्टिनेंट मयंक भागौर ने इसे लेकर कहा कि झांकी का अग्रिम हिस्सा 1946 के नौसैनिक विद्रोह को प्रदर्शित करेगा, यह ऐसी घटना थी जिसने भारत के आजादी के लिए संघर्ष में योगदान दिया था। झांकी का पिछला हिस्सा भारतीय नौसेना की 'मेक इन इंडिया' के तहत शुरू की गई पहलों का प्रदर्शन करेगा। वहीं, मध्य में हल्के युद्धक विमानों के साथ स्वदेशी विमान वाहक पोत विक्रम का मॉडल होगा। बयान में कहा गया कि परेड में इसके 72 व्यक्तियों के बैंड की अगुवाई मास्टर चीफ पेटी ऑफिसर म्यूजिशियन और ऑनरेबल सब लेफ्टिनेंट विन्सेंट जॉनसन करेंगे। जॉनसन 18वीं बार गणतंत्र दिवस परेड में शिरकत करेंगे। वह ड्रम मेजर के तौर पर नौसेना के बैंट का नेतृत्व करेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के धरना देने पर एफआईआर दर्ज, कोरोना गाइड लाइन का उल्लंघन का मामला

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह के खिलाफ भोपाल पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। उनके खिलाफ मुख्यमंत्री निवास पर अपने समर्थकों और किसानों के साथ जाने का प्रयास करने और पुलिस के रोकने पर धरना देने की वजह से कोरोना गाइड लाइन का उल्लंघन का अपराध बनाया गया है। एफआईआर में उनके अलावा अन्य लोगों पर यही कार्रवाई की गई है। दिग्विजय सिंह ने शुक्रवार को भोपाल, राजगढ़, विदिशा और गुना जिले में टेम, पार्वती और सुठालिया सिंचाई परियोजनाओं के अंतर्गत डूब में आ रहे क्षेत्रों के किसानों तथा पीड़ितों की मांगों को लेकर सीएम शिवराज सिंह चौहान से मिलने का समय मांगा था। समय मिलने के बाद निरस्त होने पर भी वे किसानों व समर्थकों के साथ मुख्यमंत्री निवास के लिए निकले थे। इस दौरान उनके साथ काफी भीड़ हो गई थी। पुलिस ने जब उन्हें सीएम हाउस जाने से रोका था तो उन्होंने वहीं धरना भी शुरू कर दिया था जिसे कोरोना गाइड लाइन का उल्लंघन मानते हुए दिग्विजय सिंह और अन्य के खिलाफ धारा 388 का अपराध पंजीबद्ध किया गया है। दिग्विजय सिंह के सीएम से मिलने का घटनाक्रम सुबह ग्यारह बजे से शुरू हुआ था। मगर पुलिस ने उन्हें उनके श्यामला हिल्स स्थित सरकारी आवास से कुछ दूरी पर ही रोक लिया। उन्हें सीएम शिवराज सिंह चौहान के सीएम हाउस में नहीं होने की जानकारी दी गई। दिग्विजय सिंह कार से उतरकर समर्थकों और किसानों की भीड़ के साथ पैदल ही आगे की तरफ बढ़े तो बैरिकेटिंग से आगे उन्हें नहीं जाने दिया गया था।

फ्री बिजली के बाद अखिलेश का और वादा

सरकार बनी तो आईटी सेक्टर में 22 लाख युवाओं को देंगे रोजगार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को वादा किया कि पार्टी की सरकार बनने पर यूपी के 22 लाख युवाओं को आईटी क्षेत्र में रोजगार दिया जाएगा। अखिलेश यादव ने यह घोषणा यहां अयोजित संवाददाता सम्मेलन में की। इस अवसर पर बरेली के पूर्व सांसद प्रवीण सिंह ऐरन और उनकी पत्नी व इस चुनाव में कांग्रेस में उम्मीदवार सुप्रिया ऐरन सपा में शामिल हुईं। अखिलेश ने बरेली की पूर्व महापौर सुप्रिया को बरेली कैंट से सपा का प्रत्याशी घोषित किया है। इसके अलावा संडीला से पूर्व विधायक महावीर सिंह की पत्नी रीता सिंह भी पार्टी में शामिल हुईं। अखिलेश यादव ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वर्ष 2022 में बाइसिकल का नारा साकार करने के लिए सपा आज संकल्प लेती है। आईटी सेक्टर में 22 लाख युवाओं को नौकरी देने का संकल्प लेते हैं, इसके लिए सरकार काम करेगी। जो सरकार 18 लाख लैपटॉप दे सकती है, वो सरकार इस दिशा में देर नहीं लगाएगी। यह नौकरी आईटी सेक्टर वालों को मिलेगी। उन्होंने कहा, जो समाजवादी पार्टी 18 लाख लैपटॉप बांट सकती है उसको 22 लाख रोजगार आईटी के क्षेत्र में देने में समय नहीं लगेगा। आईटी सेक्टर के लिए पहला संकल्प हैं कि 22 लाख युवाओं को इस क्षेत्र में रोजगार दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली देने का भी वादा किया। अखिलेश यादव ने कहा, 22 में सरकार आई तो यूपी के लोगों को 300 यूनिट फ्री बिजली देंगे। उन्होंने 2017 से पहले रही सपा की सरकार की भी खूबियां बताईं। उन्होंने कहा, 2012 से 17 तक सपा सरकार में 18 लाख छात्रों को फ्री लैपटॉप दिए गए।

जीवन और जीविका को बचाना सरकार की प्राथमिकता : सीएम योगी

अलीगढ़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अलीगढ़ के दीनदयाल अस्पताल में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना की तीसरी लहर तीव्र है लेकिन खतरनाक नहीं है। सरकार तीसरी लहर पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। जीवन और जीविका को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। पहली और दूसरी लहर को भी देखा है। इस बार ऑक्सीजन, बेड, दवाइयों की कोई कमी नहीं है। लोग संक्रमित हो रहे हैं, लेकिन घर पर ही स्वस्थ हो रहे हैं। जिन लोगों के घर पर आइसोलेशन की व्यवस्था नहीं है वह अस्पताल आ रहे हैं। उनको उपचार दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशन में यूपी सरकार कोरोना को नियंत्रण करने में लगी हुई है। कहा कि मै दूसरी लहर में भी अलीगढ़ आया था और शनिवार को दीनदयाल अस्पताल का निरीक्षण किया। अस्पताल की व्यवस्थाएं सुदृढ़ है। सीएम ने कहा कि कोरोना से बचाव को बुजुर्ग, बच्चे व गर्भवती महिलाएं आवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर जाएं अन्यथा घर में ही रहें। बाहर जाने वाले मास्क का इस्तेमाल जरूर करें। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचे। कहां की अलीगढ़ में 96 प्रतिशत लोगों को पहली लांच हुआ 57 फीसदी को दूसरी डोज लग चुकी है। कोरोना से सुरक्षित रहने के लिए वैक्सीनेशन प्रत्येक व्यक्ति करा ले। वैक्सीनेशन कोरोना से बचाव का सबसे बड़ा हथियार है। दूसरी लहर में ऑक्सीजन की कमी देखी गई थी और इससे मौतें भी हो रही थी।

पहली बार कैराना पहुंचे गृह मंत्री शाह

हिंदुओं के पलायन वाले इलाकों में अमित शाह ने घर-घर जाकर प्रचार किया, पर बिना मास्क नजर आए

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कैराना पहुंच चुके हैं। वे यहां पलायन वाले क्षेत्रों में घर-घर जाकर लोगों से बातचीत कर रहे हैं। उनसे पूछ रहे हैं कि अब उन्हें कोई तकलीफ तो नहीं है? गृह मंत्री बनने के बाद शाह का यह पहला कैराना दौरा है। शाह ने संकरी गलियों में घर-घर पहुंचकर लोगों को पर्चा दिया। उनके साथ अनेक मुस्लिम कार्यकर्ता भी नजर आए। कई कार्यकताओं ने शाह के साथ सेल्फी भी ली। पर चौंकाने वाली बात यह है कि शाह ने प्रचार के दौरान मास्क नहीं पहन रखा था। अमित शाह ने कैराना में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश में विकास की नई लहर दिखाई दे रही है। गरीब के घर में गैस, बिजली, आयुष्मान भारत योजना का कार्ड, हर व्यक्ति को कोरोना का टीका ये सारी योजनाएं अच्छे से लागू की गई है। यही कैराना है जहां पहले लोग पलायन करते थे। आज लोग कह रहे हैं कि पलायन करने वाले पलायन कर गए। यानी अब उन्हें कोई भय नहीं है। वे आत्मविश्वास में हैं। शाह ने कहा कि एक जाति के लिए काम करने वाली सरकारों की प्रथा बंद करना है। शाह के साथ कैराना में भाजपा उम्मीदवार मृगांका सिंह भी नजर आईं। वे यहां से कैंडिडेट हैं। मृगांका हुकूम सिंह की बेटी हैं। हुकुम सिंह वही सांसद हैं, जिन्होंने सबसे पहले कैराना से हिन्दुओं के पलायन का मुद्दा उठाया था। बाद में यह देश भर की मीडिया की सुर्खियों में रहा। कैराना भाजपा के लिए कितना अहम है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि महीने भर पहले योगी आदित्यनाथ भी वहां गए थे। योगी ने भी वहां पलायन के बाद लौटकर आए परिवारों से मुलाकात की थी। अक्टूबर 2021 में जब शाह लखनऊ आए थे तो उन्होंने भी कहा था कि पलायन करने वाले पलायन कर गए। शाह ने उसी दौरान ये इशारा कर दिया था कैराना चुनाव में भी याद किया जाएगा। जेपी नड्डा शनिवार को अमरोहा पहुंच रहे हैं। नड्डा का हेलिकॉप्टर यहां दिल्ली- लखनऊ हाईवे पर रजबपुर स्थित पूर्व सांसद कंवर सिंह तंवर के फार्म हाउस पर उतरेगा। यहां मुरादाबाद मंडल की 27 में से 21 विधानसभा सीटों के संगठन से जुड़े अहम लोगों को बुलाया गया है। खास बात यह है कि प्रत्याशियों को इस मीटिंग में नहीं बुलाया गया है। हर विधानसभा से संगठन से जुड़े 5-5 लोगों की ही इस कार्यक्रम में एंट्री होगी। इसके बाद नड्डा बिजनौर जाएंगे और सरसावा में सिरोही पैलेस में 10 विधानसभा सीटों के संगठन से जुड़े लोगों से मिलेंगे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि जेपी नड्डा का सहारनपुर का दौरा रद्द हो गया है। बीजेपी संगठन से जुड़े प्रदेश स्तर के एक नेता का कहना है कि अमित शाह शनिवार को दोपहर करीब 3 बजे कैराना जाएंगे। वहां पलायन करने वाले परिवारों से मिलेंगे। पहले उनका मेरठ पहुंचने और वहीं रात्रि विश्राम करके पूरे जाटलैंड के चुनाव को साधने का प्रोग्राम था, लेकिन बाद में कार्यक्रम में बदला गया। कैराना में अमित शाह के पहुंचने से जाट बेल्ट में हार्ड हिंदुत्व का मैसेज जाएगा। इससे जाट लैंड में कैराना के पलायन के जख्म फिर से उभरेंगे और इसका फायदा इखढ को मिल सकता है।

पंजाबः कैप्टन अमरिंदर का बड़ा आरोप-अवैध रेत खनन में हिस्सेदार हैं सीएम चन्नी

चण्डीगढ़। पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने शनिवार को मुख्यमंत्री चरणजीत चन्नी पर बड़ा आरोप लगाया। मीडिया से बातचीत में कैप्टन ने कहा कि सीएम चन्नी अवैध रेत खनन में हिस्सेदार हैं। साथ ही उन्होंने पीपीसीसी प्रधान नवजोत सिद्धू के बारे में कहा कि उनमें सोचने की भी ताकत नहीं है। पंजाब लोक कांग्रेस (पीएलसी) के प्रमुख कैप्टन अमरिंदर सिंह ने दावा किया कि कांग्रेस डरी हुई है। उन्होंने कहा कि सिद्धू असंतुलित व्यक्ति हैं। कौन किसको घर बैठाता है, सिद्धू को ये बात वक्त बताएगा। उन्होंने कहा कि सिद्धू और चन्नी पंजाब के लिए सही नहीं हैं। वहीं अरविंद केजरीवाल के पास विकास का कोई मॉडल नहीं है। आप के सीएम चेहरे भगवंत मान के बारे में कैप्टन ने कहा कि वे कॉमेडियन हैं। पंजाब को कॉमेडी नहीं, गंभीरता की जरूरत है। शुक्रवार को भी कैप्टन ने मुख्यमंत्री चन्नी पर आरोप लगाया था कि उनकी सरकार ने स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री के काफिले की नाकाबंदी की योजना बनाई थी, जिसके कारण प्रधानमंत्री की सुरक्षा में गंभीर लापरवाही हुई।

शोपियां मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया, अन्य की तलाश के लिए सुरक्षाबलों ने इलाके को घेरा

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के शोपियां में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच शुरू हुई मुठभेड़ में एक आतंकी को मार गिराया गया है। इलाके में अभी आतंकियों के मौजूद होने की आशंका है। एजेंसियों को शनिवार सुबह कालबिल इलाके में संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिली। इसके बाद इलाके में चेकिंग अभियान चलाया। इस बीच एक घर में आतंकियों के होने की बात पता चली। इसके बाद सुरक्षाबलों ने उसे घेर लिया। आतंकियों में इलाके में सुरक्षाबलों को देख फायरिंग शुरू कर दी। इसके जवाब में एक आतंकी मारा गया है। इलाके में बड़ी संख्या में सुरक्षाबल पहुंचे हुए हैं। घटनास्थल पर नागरिकों के आने-जाने पर पाबंदी लगा दी गई है। श्रीनगर शहर और आस पास के इलाकों में गणतंत्रता दिवस के मौके पर आतंकी हमलों की आशंका को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद कर दी गई है। आये दिन लगातार सुरक्षाबलों द्वारा तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं ताकि आतंकियों के नापाक मंसूबों पर पानी फेरा जा सके। इसके चलते शुक्रवार को भी श्रीनगर के लाल चौक और आसपास के इलाकों में जम्मू कश्मीर के विशेष दस्ते स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप और सीआरपीएफ की वैली क्यूएटी के जवानों ने तलाशी अभियान चलाए। इस दौरान मोबाइल चेक पॉइंट स्थापित किये गए और लोगों के साथ साथ वाहनों की तलाशी ली गई। इसके अलावा श्रीनगर के करीब सभी प्रवेश द्वारों पर भी मोबाइल नाके स्थापित किये गए। वहां भी संदिग्ध वाहन और व्यक्तियों की तलाशी ली जा रही है।

प्रधानमंत्री की डीएम के साथ बैठकः पीएम बोले- बजट बढ़ता रहा लेकिन आजादी के 75 साल बाद भी कई जिले पीछे ही रह गए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यानी 22 जनवरी को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कई जिलों के जिलाधिकारियों (डीएम) से बात की। बैठक के बाद पीएम मोदी ने सभी डीएम को संबोधित भी किया। इस दौरान पीएम मोदी ने जिले में होने वाली समस्याओं से अवगत करवाया। पीएम ने कहा कि एक तरफ बजट बढ़ता रहा, योजनाएं बनती रहीं, आंकड़ों में आर्थिक विकास भी होता रहा, लेकिन फिर भी आजादी के 75 साल बाद भी देश में कई जिले पीछे ही रह गए। समय के साथ इन जिलों के साथ पिछड़े जिलों का टैग लगा दिया गया। पीएम मोदी ने कहा कि आज आकांक्षी जिले देश के आगे बढ़ने के अवरोध को समाप्त कर रहे हैं। आप सबके प्रयासों से आज आकांक्षी जिले गतिरोधक के बजाय गतिवर्धक बन रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री भी मानते हैं कि उनके राज्यों में आकांक्षी जिलों ने कमाल का काम किया है। पीएम मोदी ने कहा कि आकांक्षी जिलों में विकास के लिए प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद और एक भावुक जुड़ाव भी बहुत जरूरी है। एक तरह से गवर्नेंस का टॉप टू बॉटम और बॉटम टू टॉप फ्लो बहुत जरूरी है। इस अभियान का महत्वपूर्ण पहलू है - टेक्नोलॉजी और इनोवेशन। पीएम मोदी ने कहा कि आकांक्षी जिलों में जो काम हुआ है वो बड़े-बड़े विश्वविद्यालयों के लिए अध्ययन का विषय है। पिछले चार सालों में देश के लगभग हर आकांक्षी जिले में जन-धन खातों में 4 से 5 गुना की वृद्धि हुई है। लगभग हर परिवार को शौचालय मिला है, हर गाँव तक बिजली पहुंची है। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार के अलग-अलग मंत्रालयों ने, अलग-अलग विभागों ने ऐसे 142 जिलों की एक लिस्ट तैयार की है। जिन एक-दो पैरामीटर्स पर ये अलग-अलग 142 जिले पीछे हैं, अब वहां पर भी हमें उसी कलेक्टिव अप्रोच के साथ काम करना है, जैसे हम आकांक्षी जिलों में करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले चार सालों में देश के लगभग हर आकांक्षी जिले में जन-धन खातों में 4 से 5 गुना की वृद्धि हुई है। लगभग हर परिवार को शौचालय मिला है, हर गांव तक बिजली पहुंची है और बिजली सिर्फ गरीब के घर में नहीं पहुंची है बल्कि लोगों के जीवन में ऊर्जा का संचार हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि आकांक्षी जिलों में जो लोग रहते हैं, उनमें आगे बढ़ने की तड़प होती है। इन लोगों ने अपने जीवन का अधिकतर समय अभावों में, मुश्किलों में गुजारा है। हर छोटी-छोटी चीजों के लिए उन्होंने परिश्रम किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

विद्वत्ता अच्छे दिनों में आभूषण, विपत्ति में सहायक और बुढ़ापे में संचित धन है। - हितोपदेश

संपादकीय

ज्योति का विलय

सन् 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध की प्रतीक अमर जवान ज्योति ज्वाला को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की ज्वाला से मिला दिया गया है। सरकार का मानना था कि इंडिया गेट पर जिन शहीदों-वीरों के नाम हैं, उन्होंने प्रथम विश्व युद्ध और एंग्लो-अफगान युद्ध में अंग्रेजों के पक्ष में लड़ाई लड़ी थी, जबकि अमर जवान ज्योति बांग्लादेश की मुक्ति के लिए शहीद हुए वीरों की याद में है, अतः दोनों अलग-अलग हैं। इस लिहाज से औपनिवेशक काल के प्रतीक इंडिया गेट को स्वतंत्र रहने देना चाहिए और अमर जवान ज्योति को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में लाना एक लिहाज से सरकार का तर्कपूर्ण फैसला है। फिर भी अमर जवान ज्योति इंडिया गेट की पहचान रही है। इंडिया गेट के बीच अनवरत लगभग 50 वर्षों से यह ज्योति प्रज्वलित थी, जिसे देखकर शहादत की भव्यता और गर्व की अनुभूति होती थी। कम से कम तीन पीढ़ियां ऐसी बीती हैं, जिनके लिए इंडिया गेट के साथ अमर जवान ज्योति के दर्शन का विशेष महत्व था। अब हमारी शान का एक प्रतीक इंडिया गेट तो वहां रहेगा, लेकिन ज्योति के दर्शन वहां नहीं, वहां से 400 मीटर दूर राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में होंगे। सरकार के इस निर्णय पर बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों ने खुशी जताई है। आमतौर पर यही यथोचित है कि दिल्ली में एक ही स्थान पर ऐसी शहादत को समर्पित ज्योति रखी जाए। शहीदों के सम्मान में जब राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में ज्योति जलाई गई थी, तभी से भी इंडिया गेट की अमर जवान ज्योति पर चर्चा हो रही थी। यह संभव था कि राष्ट्रीय युद्धस्मारक का वजूद अलग रहता और इंडिया गेट पर पचास वर्षों से प्रज्वलित ज्योति को यथावत रहने दिया जाता। खैर, यह सरकार का फैसला है और देश के शहीदों, वीरों के सम्मान पर किसी तरह के विवाद की कोई गुंजाइश नहीं रहनी चाहिए। यदि सेना को भी यही लगता है कि राष्ट्रीय युद्ध स्मारक ही एकमात्र स्थान है, जहां वीरों को सम्मानित किया जाना चाहिए, तो इस फैसले और स्थानांतरण का स्वागत है। इधर, सरकार ने एक और फैसला लिया है कि इंडिया गेट के पास नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा स्थापित होगी। यह फैसला भी अपने आप में बड़ा है। अभी तक वहां किसी प्रतिमा के लिए कोई जगह नहीं थी, अब अगर जगह निकल रही है, तो आने वाली सरकारों को संयम का परिचय देना पड़ेगा। अलग-अलग सरकारों के अपने-अपने आदर्श रहे हैं और अलग-अलग सरकारों द्वारा अलग-अलग प्रकार के स्मारक बनाने का रिवाज भी रहा है। यही विचार की मूल वजह है। स्मारकों और प्रतिमाओं का सिलसिला सभ्य और तार्किक होना चाहिए। इसमें कोई शक नहीं कि ऐसे स्मारक देशवासियों को प्रेरित करते हैं और इससे देश को मजबूती मिलती है, लेकिन तब भी हमें राष्ट्रीय महत्व के कुछ स्मारकों को उनके मूल स्वरूप में ही छोड़ देने पर अवश्य विचार करना चाहिए। अब यह इतिहास है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 26 जनवरी, 1972 को अमर जवान ज्योति का उद्घाटन किया था और यह भी इतिहास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 फरवरी, 2019 को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का उद्घाटन किया, जहां अब तक शहीद हुए देश के 25,942 सैनिकों के नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित हैं। अब अमर जवान ज्योति के आगमन से राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का महत्व बहुत बढ़ गया है और बेशक, इससे राष्ट्रभक्ति और राष्ट्र सेवा को बल मिलेगा।

आज के कार्टून

सत्य

जग्गी वासुदेव

कबीर एक बुनकर थे-वे एक महान दिव्यदर्शी कवि थे जो आज भी अपनी कविताओं के माध्यम से हमारे बीच जीवित हैं। उन्होंने जो काव्य लिखा था, गाया था, वह उनके जीवन का एक बहुत छोटा सा भाग है। अधिकतर समय वे कपड़ा बुनने का काम करते थे। चूंकि आज हमारे पास केवल उनका काव्य है तो लोगों को लगता है कि उन्होंने बस यही काम किया। नहीं, उनका जीवन तो कपड़ा बुनने में लगा था, काव्य करने में नहीं। उनका बुना हुआ कपड़ा आज नहीं है पर उनकी कही हुई कविताएं आज भी जीवित हैं। मुझे नहीं मालूम कि कितनी खो गई है पर जो बची है वे फिर भी अविसनीय हैं। वे अद्भुत मनुष्य थे पर उनके काव्य के अतिरिक्त हम उनके बारे में कुछ नहीं जानते। स्पष्ट है कि वे अत्यंत गहन अनुभव रखने वाले व्यक्ति थे, इसके बारे में कोई प्रश्न ही नहीं है। लेकिन उनका पूरा जीवन, उनकी मृत्यु और उसके बाद भी, उनकी दिव्यद शिता, ज्ञान अथवा स्पष्टता की एक नई दूरदृष्टि जो वे लोगों को देना चाहते थे, उसको लोगों ने महत्व नहीं दिया। वे सब बस इसी विवाद में उलझे रहे कि कबीर हिंदू थे या मुस्लिम? लोगों के सामने बस यही मुख्य प्रश्न था। अगर आप को ये मालूम नहीं है तो मैं आप के सामने एक अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी रख रहा हूं- कोई भी इंसान, एक हिंदू या मुस्लिम, या जो ऐसे और भी बेकार के झंझट है, उनमें से किसी रूप में पैदा नहीं होता। ऐसे ही, कोई भी हिंदू या मुस्लिम या ऐसा ही कुछ और हो कर नहीं मरता। मगर जब तक हम यहां पर हैं, तब तक एक बड़ा सामाजिक नाटक चलता रहता है। ये सब कुछ जो आप ने बनाया है-आप के विचार कि आप कौन हैं, आप कौन सा धर्म मानते हैं, कौन सी चीज आप की है, कौन सी चीज आप की नहीं है?-ये सब असत्य है। जो सत्य है वह बस है, आप को उसके बारे में कुछ नहीं करना। इस सत्य की वजह से ही हम हैं। सत्य वह नहीं है जो आप बोलते हैं। सत्य का अर्थ है वे मूल नियम जो जीवन को बनाते हैं और जिनसे सब कुछ होता है। आप अगर कुछ कर सकते हैं तो बस ये चुन सकते हैं, कि आप सत्य के साथ लय में हैं या आप सत्य के साथ लय में नहीं हैं। आप को सत्य की खोज नहीं करनी है, सत्य का कोई अध्ययन भी नहीं करना है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस- अखंड भारत की आजादी के स्वप्नदृष्टा

(लेखक- डॉ. अशोक कुमार भार्गव, आई.ए.एस.)

'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा' के ओजस्वी उद्घोष से समग्र राष्ट्र में देशभक्ति त्याग और बलिदान के अनियंत्रित तूफान को सृजित करने वाले भारतीय स्वाधीनता संग्राम के क्रांतिधर्मा महानायक सुभाष चंद्र बोस का देश की आजादी के इतिहास में अनुपम और अतुलनीय योगदान हैं। भारत को विश्व की एक महान शक्ति बनाने के लिए संकल्पित सुभाष चंद्र बोस की अमिट छवि भारतीय जनमानस में नेताजी के रूप में अंकित है। 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा के कटक में जन्मे सुभाष एक व्यावहारिक चिंतक, अद्भुत संगठन कर्ता और करिश्माई नेतृत्व के धनी थे जिनके स्वाभिमानी व्यक्तित्व में जादुई आकर्षण था। उनकी वाणी में अद्भुत ओज था। विचारों की स्पष्टता, प्रखरता, दूरदर्शिता, लक्ष्य की दृढ़ता, सिद्धांतों की प्रतिबद्धता, राष्ट्रभक्ति और जन सेवा के प्रति समर्पण एवं अपने कार्य के प्रति असीम आत्मविश्वास के साथ गहन निष्ठा का भाव उनके व्यक्तित्व में इस तरह समाहित था कि उन्होंने बिना झिझक अंग्रेज साम्राज्य के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष का आह्वान किया। उस अंग्रेजी साम्राज्य के विरुद्ध जिसमें कभी सूर्यास्त नहीं होता था और ब्रिटेन के विद्रोही कवि अर्नेस्ट जोन्स के शब्दों में 'वह इतना क्रूर भी हो गया था कि उसके उपनिवेशों में रक्त भी कभी नहीं सूखता था।' उन्होंने साहस पूर्वक अंग्रेजी हुकूमत से टक्कर लेते हुए युवाओं में क्रांति की चेतना जागृत की और दुनिया के अन्य राष्ट्रों से चर्चा कर भारत की आजादी के पक्ष में विश्व जनमत निर्माण का ऐतिहासिक कार्य किया। सुभाष का बचपन से ही अध्यात्म की ओर झुकाव रहा। कटक में प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की । कोलकाता के प्रेसिडेंसी कॉलेज और कैंब्रिज विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद देश की आजादी के लिए आजीवन ब्रह्मचर्य का संकल्प लेने वाले सुभाष के मन में भारत की सांस्कृतिक चेतना के प्रति अगाध श्रद्धा, आस्था और अटूट प्रेम था। कलकत्ता के प्रेसिडेंसी कॉलेज के प्रोफेसर ओटन जो भारतीय छात्रों को घृणा की दृष्टि से देखता था, उन्हें गंवार और जंगली कहकर अपमानित करता था। यह स्वाभिमानी सुभाष को बिल्कुल स्वीकार्य नहीं था। अतः उन्होंने उसके विरुद्ध कॉलेज में छात्रों के साथ मिलकर हड़ताल की, कक्षाओं का बहिष्कार किया और एक दिन मौका पाकर अन्य छात्रों के साथ मिलकर कक्षा में ही उसे करारा सबक सिखाने के लिए जमकर पिटाई कर दी। उस प्रोफेसर के होंश उड़ गए। अंततः प्रोफेसर ने छात्रों से क्षमा मांगी और भारतीयों का अपमान करना बंद कर दिया। यद्यपि इस घटना के बाद सुभाष को कॉलेज से निकाल दिया गया किंतु इसका उन्हें तनिक भी अफसोस नहीं हुआ बल्कि उनका मन प्रफुल्लित हुआ। सुभाष ने कहा कि भारतीय होने का अर्थ यह नहीं है कि हम असभ्य और गंवार हैं। हम पूरी तरह से सभ्य और सुसंस्कृत हैं। किसी को भी हमें अपमानित करने का अधिकार नहीं है तत्पश्चात स्कॉटिश चर्च कॉलेज से उन्होंने दर्शनशास्त्र में स्नातक की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। उन्होंने मिलिट्री प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। पिताजी चाहते थे कि सुभाष इंग्लैंड जाएं और सर्वोच्च प्रशासनिक सेवा आई. सी. एस. होकर लौटे। किंतु जन्मजात विद्रोही सुभाष के मन में अंग्रेजी हुकूमत को जड़ से उखाड़ फेंकने की बगावत का बीजारोपण तो हो ही चुका था। समाज सेवा राष्ट्र सेवा और जन सेवा का कर्तव्य भाव उन्हें पुकार रहा था। ना चाहते हुए भी पिता की आज्ञा का पालन किया और इंग्लैंड से आईसीएस की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली, किन् तु उनकी सरकारी नौकरी करने की इच्छा बिल्कुल नहीं थी। उन्होंने दृढ़ता पूर्वक प्रतिकार करते हुए कहा कि वह शासन तंत्र जो मेरी मातृभूमि को दासता की जंजीरों में जकड़ा हुआ है उसकी कठपुतली या पुर्जा बनना मुझे स्वीकार नहीं है। विदेशी हुकूमत हमारे युवकों को गोलियों से भून रही है उन्हें जेलों में यातनाएं दे रही है और मैं उनकी गुलामी करूं यह असंभव है और 22 अप्रैल 1922 को उन्होंने पिता की इच्छा के विरुद्ध आईसीएस से त्यागपत्र दे दिया। एक अंग्रेज पुलिस अधिकारी ग्रीफीथ जो सुभाष को पूर्व से जानता था उन्हें गिरफ्तार करने के लिए गिरफ्तारी वारंट लेकर उनके कमरे पर पहुंचा जहां वे साधारण कपड़े में बैठे थे, कोने में एक तरफ मिट्टी का घड़ा रखा हुआ था। उसने कहा मैं तुम्हें गिरफ्तार करने आया हूं। तुम क्या हो सकते थे और क्या हो गए। सुभाष ने कहा 'ठीक कहा तुमने मैं गुलाम हो सकता था लेकिन आज मैं अपने देश की स्वाधीनता का सजग सिपाही हूं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि मुझे तुम्हारे कमरे की तलाशी भी लेनी है। हां हां क्यों नहीं तलाशी भी ले सकते हो। पुलिस अधिकारी ने कमरे की हर चीज को देखा लेकिन उसे कोई भी वस्तु आपत्तिजनक नहीं मिली । तब उसने चौकी पर रखी चांदी की डिबिया खोली पूछा कि इसमें ये चूर्ण जैसा क्या है। सुभाष ने कहा यह मेरे देश की पवित्र मिट्टी है । मैं प्रतिदिन इसकी पूजा करता हूं और देश की स्वाधीनता के अपने उद्देश्य का स्मरण करता हूं। अधिकारी ने कहा सुभाष तुम अवश्य ही पागल हो गए हो अन्यथा भला कोई मिट्टी की भी पूजा करता है। सुभाष बोले यह बात तुम्हारी समझ में नहीं आएगी। तुम्हारा जन्म इंग्लैंड में हुआ है। अगर तुम भारत भूमि में पैदा हुए होते तो जान पाते की मां और मातृभूमि की महत्ता क्या है। जिसे तुम मिट्टी कह रहे हो वह मेरी भारत माता की चरण रज है। मैं इसे माथे पर लगाता हूं। तुम इन बातों को समझने योग्य नहीं हो। मुझे गिरफ्तारी का कोई भय नहीं है। कष्ट और त्याग ये दोनों स्वराज की नींव है और इन्हीं पर हमारे स्वतंत्र राष्ट्र का निर्माण होगा। यदि देश के युवक उसके लिए स्वयं को अर्पित करने के लिए तैयार हों तो स्वतंत्रता की कल्पना को साकार करने में देर नहीं लगेगी। सुभाष के इस विलक्षण उत्तर से पुलिस अधिकारी निरुत्तर हो गया। बंगाल के देशभक्त चितरंजन दास की प्रेरणा से सुभाष राजनीति में आए स्वयंसेवक बने फिर राष्ट्रीय विद्यापीठ के आचार्य और कॉंग्रेस स्वयंसेवक दल के प्रमुख। अपने साथियों के साथ सेवादल बनाकर मानव सेवा में जुट गए। उनकी ख्याति युवा नेता और समाजसेवी के रूप में विख्यात हो गई। उत्तर बंगाल के बाढ़ पीड़ितों की अद्भुत सेवा की। स्वराज पार्टी के प्रमुख पत्र फॉरवर्ड के संपादक बनाए गए। 1924 में जब देशबंधु कोलकाता के मेयर बने तब सुभाष को मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया। जहां उन्होंने प्रशासनिक दक्षता, राष्ट्रवादी भावनाओं और जन हितेषी कार्यों से अपनी प्रामाणिकता सिद्ध की। इस दौरान प्रिंस ऑफ वेल्स के स्वागत के बहिष्कार के संबंध में उन्हें गिरफ्तार किया गया। यहीं से उनकी जेल यात्राएं प्रारंभ हुई जो सन 1941 तक तब तक चलती रही जब तक वे चुपके से निकलकर जर्मनी नहीं चले गए। वे कुल 11 बार गिरफ्तार किए गए और लगभग 15 वर्षों तक जेल में रहे। 1928 में प्रांतीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए लगातार परिश्रम से वे बीमार हो गए। बमुश्किल 1932 में जर्मनी में चिकित्सा के लिए गए और वहां से लौटने पर 1939 में पट्टाभी सीतारमैया को चुनाव में पराजित कर पुनः कांग्रेस के अध्यक्ष बन गए। गांधीजी ने इसे अपनी व्यक्तिगत हार माना। गांधी के अहिंसा वादी विचारों का सुभाष के क्रांतिकारी विचारों से मेल नहीं होता था। अतः उन्होंने अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया। उग्रवादी विचारधारा के अमर सेनानी सुभाष का दृढ़ विश्वास था कि ब्रिटिश शासन की नृशंसता का सशस्त्र बल से विरोध करने पर ही भारत मां को आजाद किया जा सकता है। अपना रक्त दिए बिना भारत को मुक्त नहीं किया जा सकता। भारतीय संस्कारों से युक्त पूर्ण स्वराज का लक्ष्य लेकर उन्होंने फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की। गांधी के व्यक्तिगत सत्याग्रह प्रारंभ करने के दौरान सुभाष बाबू ने बंगाली जनता को हालवेल, ब्लैक होल स्मारक को हटा देने एवं सामूहिक आंदोलन करने का आव्हान किया।

नेताजी तो एक ही थे सुभाषचन्द्र बोस

- डॉ.दीपक आचार्य

जहां कहीं नेताजी शब्द सामने आता है। हमारी कल्पनाओं में एक ही चित्र उभरकर सामने आता है और वह है नेताजी सुभाषचन्द्र बोस। सुभाष बोस के आगे एक बार लग गया नेताजी का शब्द अतने अधिक उच्चतम शिखर और अपार ऊर्जाओं का बोध कराता है कि इनके सामने बाकी सारे फीके पड़ जाते हैं। नेताजी के अलावा किसी ओर के नाम के साथ नेताजी लगाते ही या तो व्यंग्य का बोध होता है अथवा किन्हीं अन्य तरह के भावों का। इन भावों में रमण करने के लिए हम सभी स्वतंत्र हैं। इसे सार्वजनीन रूप से कहने की कोई आवश्यकता नहीं। सभी कृतज्ञ देशवासी आजादी दिलाने में सर्वोपरि और महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की जयन्ती मना रहे हैं। सुभाषचन्द्र बोस का नाम ही अपार ऊर्जा और असीम शक्तियों का संचार करने वाला है। दुनिया भर के मुल्कों के स्वाधीनता चेतना और दासत्व से मुक्ति के अभियान में सर्वाधिक चर्चित और यथोचित सम्मान से वंचित हस्ताक्षर के रूप में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस को जाना जाता है जिनके बारे में आज तक भी संशयों के बादल छँट नहीं पाए हैं। नेताजी की महान शख्सियत के बारे में समझदार लोगों का साफ-साफ आकलन है कि उनके विराट कद से वाकिफ लोगों ने भी उनके बारे में ईमानदारी और पारदर्शिता नहीं रखी तथा परवर्ती कर्णधारों ने अपनी छवि को ऊँचाई देने और बरकरार रखने के लिए सायास ऐसा बहुत कुछ किया जिसकी वजह से नेताजी को इतिहास में अपेक्षित सम्मान व स्थान नहीं मिल पाया। इन सबके बावजूद नेताजी आज भी भारतीय जन-मन में इतने गहरे तक बसे हुए हैं कि उनका मुकाबला कोई दूसरा नहीं कर पा रहा है। यह श्रद्धा इस बात का संकेत है कि नेताजी के कर्मयोग को सदियों तक कोई भुला नहीं पाएगा। नेताजी के जीवन और स्वाधीनता समर के महायौद्धा के रूप में जानने और जन-मन तक उनसे जुड़ी जानकारी पहुंचाने के प्रयास हाल ही हुए हैं फिर भी देशवासी आज भी आतुर हैं नेताजी के बारे में सब कुछ जाने लेने को, पूरी पारदर्शिता से उन सभी रहस्यों का उद्घाटन होना चाहिए, जो अपेक्षित हैं। सुभाषचन्द्र बोस को लेकर अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है ताकि देश की वर्तमान और आने वाली पीढ़ियां उनसे प्रेरणा पा कर भारतीय स्वाभिमान, साहस और पराक्रम का अनुकरण कर सकें। इसके लिए वर्तमान से ज्यादा अनुकूल समय कभी नहीं आ सकता। देश आज जिन गरिमामय स्थितियों में आगे बढ़ रहा है उसमें राष्ट्रीय चरित्र, राष्ट्रीयता और स्वदेशी स्वाभिमान के वटवृक्षों को पनपाने कराने के लिए सर्वथा अनुकूल माहौल है और इसका पूरा-पूरा उपयोग करते हुए हमें वह सब कुछ करना होगा, जो कर सकते हैं। आने वाले समय के भरोसे नहीं रहा जा सकता। नेताजी ने जिस प्रखर राष्ट्रवाद को परिपुष्ट किया, उस पर चलते हुए भारत की वैश्विक छवि को और अधिक दैदीप्यमान बनाने के लिए हम सभी की भागीदारी जरूरी है। कुछ लोग जरूर हैं जो हमारी प्राचीन व परंपरागत अस्मिता का कबाड़ा कर देने के लिए अपनी ही अपनी बातें करते हैं, अपने ही अपने इर्द-गिर्द पूरे देश को चलाना चाहते हैं, और इसलिए उन गर्वीली परंपराओं के गौरव से हमें अनभिज्ञ रखना चाहते हैं जिनके जान लेने भर से उन लोगों की अस्मिता खतरे में पड़ जाएगी और सब कुछ छीन जाने का डर भी है। देश अब समझदारी और सत्यान्वेषण के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में यह जरूरी हो चला है कि भारतीय स्वाभिमान को जगाया जाए, संस्कृति की जड़ों से जुड़कर अपनी परंपराओं को आत्मसात करते हुए विश्व गुरु के सफर को वेग प्रदान किया जाए। लेकिन इन सबके लिए हमें लौटना होगा हमारे महापुरुषों और परंपराओं की ओर। यही हमारे केन्द्र हैं और इन्हीं की परिधियों में रहते हुए हम राष्ट्रपुरुष की आराधना के स्वर गुंजाते हुए मातृभूमि की सेवा कर उऋण हो सकते हैं। आज हमारे बीच होते तो क्या कुछ होता, इसकी कल्पना आसानी से की जा सकती है। आज की दुर्दशा को देखकर वे सबसे ज्यादा व्यथित होते। हो सकता है कि नेताजी ने देश के इन हालातों को देखकर ही संन्यासी जीवन ग्रहण कर लिया और गुमनाम जिन्दगी अंगीकार कर ली। इन्टरनेट और दूसरे सभी प्रकार की नेटवर्किंग को देखकर वे प्रसन्न होने की बजाय दुःखी ज्यादा होते। '' तुम मुझे खून दो - मैं तुम्हें आजादी दूँगा '' का नारा गुंजाकर वे यदि युवाओं का आह्वान भी करते तो देश के लाखों युवा ट्वीटर, व्हाट्सअप और फेसबुक सहित तमाम प्रकार के सोशल मीडिया पर संदेश को इतना अधिक फैला देते कि यह बार-बार दोहरान करता हुआ अरबों बार आ जाता। व्यक्तिपूजा से लेकर भ्रष्टाचार और पाश्चात्य चकाचौंध से प्रभावित महान लोगों की संप्रभुता भरी हरकतों और भारतीय जनमानस को देखकर उकता जाते, चाईनीज माल के प्रति हमारी समर्पित भावना और निजी स्वार्थों को देखकर सर पीट लेते। नेताजी को दुःख ही होता अपने नेताजी नाम से, इतनी घिन आ जाती कि वे देश भर के अखबारों और चैनलों में विज्ञापन दे देकर अपने नाम के आगे से 'नेताजी' शब्द हटवा देते। सुभाषचन्द्र बोस आज हमारे बीच होते तो बहुत कुछ ऐसा होता जिसकी वजह से उन्हें खिन्न होना पड़ता और सचमुच वे अवसाद में आ जाते। हम कल्पना कर सकते हैं कि आज नेताजी होते तो हम देशवासियों, हमारे कर्णधारों और दूसरे लोगों के लिए क्या-क्या नहीं सोचते रहते। भरोसा नहीं है हमें, हो सकता है वे आज भी कहीं दूर बैठे हमारी हरकतों को देख रहे हैं, और यदि सच में ऐसा है तो उनके पास पछतावे के सिवा क्या बचा होगा? कुछ करना ही चाहते हैं तो नेताजी की तरह खुद को बनाएं और देश की सेवा में लगाएं। केवल बातों और भाषणों से कुछ होने वाला नहीं।

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की जयन्ती पर हार्दिक शुभकामनाएँ ...

सू-दोकू नवताल -2028

3		5	1	9	7	4		8
			6					5
		6	2	8		1		3
2					9	6		7
		4		3		2		
5		7	4					9
6		3		5	1	9		
8					4			
7		1	9	2	6	3		4

सू-दोकू -2027 का हल

2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2028

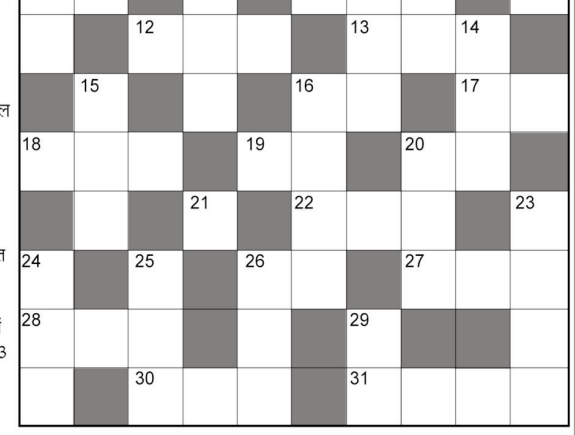

बायें से दायें:-

1. राजेश खन्ना, शर्मिला अभिनीत फिल्म-4
4. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीतवाली संजयदत्त, पूजाभट्ट की फिल्म-3
7. मिथुन चक्रवर्ती, रंभा, मधु की 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-3
8. अमिताभ बच्चन, अमजद खान, नीतू सिंह की फिल्म-3
9. अनिल कपूर, जैकी, शत्रुघ्न सिन्हा, टीना मुनीम, हेमा अभिनीत फिल्म-2
10. 'तुझसे नाराज नहीं जिंदगी' गीत वाली नसीरुद्दीन शाह, शबाना की फिल्म-3
12. अक्षय कुमार, शांतिप्रिया की 'लैला को भूल जायेंगे' गीत वाली फिल्म-3
13. 'अंखियां मिला के जिया भरमा के' गीत वाली फिल्म-3
16. डिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-2
17. अजय देवगन, पूजा भट्ट, सोनाली की फिल्म-2
18. 'भीगे होंठ तेरे' गीत वाली फिल्म-3
19. 'छम से वो आ जाये' गीत वाली संजय दत्त, अभिषेक, जायेद खान, एशा देओल, राइमा सेन, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-2
20. नसीरुद्दीन शाह, पूजा भट्ट, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-2
21. रणदीप हूडा, सुशांत सिंह, यशपाल, रुखसार, इशा कोप्पिकर की 'खुद को मार डाला' गीत वाली फिल्म-1
22. शशि कपूर, राखी (डबल रोल) की फिल्म-3
26. सुनील शेट्टी, अंजली जठार की 'वादे न हों कसमें न हों' गीत वाली फिल्म-2
27. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र,श्रीदेवी, जयाप्रदा की फिल्म-3
28. 'छू लेने दो नाजुक होठों को' गीत वाली फिल्म-3
30. 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली प्रशांत, संध्या की फिल्म-3
31. अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, करण कपूर, कैटरीना कैफ, तनीषा, रुखसार की फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

2. 'भूली बिसरी यादों में' गीत वाली अमिताभ बच्चन, शर्मिला टैगोर, जॉन अब्राहम, अनुशा की फिल्म-3
3. अमोल पालेकर, विद्या सिन्हा की 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली फिल्म-5
4. कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-3
5. 'ऐतबार नहीं करना' गीत वाली फिल्म-4
6. 'हमने तुम को दिल ये दे दिया' गीत वाली डिनो मोरिया, बिपाशा बसु की फिल्म-3
9. अभिषेक बच्चन, विवेक, अजय देवगन, रानी, करीना, ईशा देओल की 'कभी नीम नीम कभी' गीत वाली फिल्म-2
11. 'देखो मेरा दिल मचल गया' गीत वाली राजेंद्र कुमार, वैजयंती माला की फिल्म-3
14. अभ्मित पटेल तथा पाकिस्तानी नायिका मीरा की 'आजा शोर मचाले शोर' गीत वाली फिल्म-3
15. भारत-पाकिस्तान युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-3
16. जैकी श्रॉफ मनीषा, दीसि भटनागर की 'तेरा चेहरा ना देखूं अगर' गीत वाली फिल्म-2,2
20. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म 'मेहंदी' के निर्माता-3
23. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-4
24. 'हमराही जब हो मस्ताना' गीत वाली अनिल कपूर, माधुरी दीक्षित, नम्रता की फिल्म-3
25. शाहरुख खान, मनीषा, प्रीति जिंटा, शिल्पा शिरोडकर की 'तू ही तू सतरंगी रे' गीत वाली फिल्म-2,1
26. राजकुमार, शत्रुघ्न सिन्हा, मिथुन, हेमा की 'शबनम का ये कतरा है' गीतवाली फिल्म-3
29. 'दीदार दे दीदार दे' गीत वाली संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, जायेद खान, ईशा देओल, राइमा सेन, शिल्पा की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2027

कु	बां	न		जो	रू	का	गु	ला	म
ली		ज	ह	र		ला		श	क
	क	र	म		स	प	ने		ड़ी
द	स		तु	म		त्थ		भ	
	क	स	म		स	र	फ	रे	श
दि		च्चा		ह	त्या			सा	
ल	ड़ा	ई		की		दि	ल		शे
से				ब्लै	क	मै	ल		सु	र
	आ	ह		त		दा	मि	नी	
ध	न	वा	न		गै	र		ल	की

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोने की कीमत फिर होगी 52,000 के पार?

नई दिल्ली । कोरोना की तीसरी लहर की आशंका के चलते निवेशक सुरक्षित निवेश का विकल्प तलाश कर रहे हैं. शेयर बाजार में जारी गिरावट इस ओर इशारा भी करती है। ऐसे में सोने में निवेश को लेकर निवशकों के रूझान में बदलाव देखा गया है और बीते कुछ दिनों से सोने-चांदी के भाव में तेजड़िया रुख देखा जा रहा है। सोने में इस तेजी के रुख को देखते हुए निवेशकों के बीच इसका भाव तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। आने वाले दिनों में शादियों का सीजन शुरू होने से भी सोने की मांग बढ़ेगी, इससे भी भाव में तेजी आ सकती है। बाजारों के जानकारों का कहना है कि मार्केट में करेक्शन की वजह से अगले 12 से 15 महीने में सोने की खरीद बढ़ सकती है और इसकी वजह से सोने का भाव 2,000 डॉलर (करीब 1.48 लाख रुपये) प्रति औंस से ऊपर जाकर नई ऊंचाई पर पहुंच सकता है। एक औंस 28.34 ग्राम के बराबर होता है। इस हिसाब से 10 ग्राम सोने का भाव करीब 52,500 रुपए से ऊपर जा सकता है। वर्ष 2021 में सोने का भाव करीब 4 फीसदी नीचे रहा था। ये 1806 डॉलर (करीब 1.34 लाख रुपये) प्रति औंस पर बंद हुआ था।

एफआरएल के स्वतंत्र निदेशकों ने अमेजन से निवेश की पुष्टि करने को कहा

नई दिल्ली । फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) के स्वतंत्र निदेशकों ने अमेजन से शनिवार तक यह पुष्टि करने को कहा है कि वह नकदी संकट से जूझ रही खुदरा कंपनी में 3,500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। जानकारी के मुतो बिक एफआरएल के ऋणदाताओं को 29 जनवरी 2022 तक बकाया चुकाने के लिए उक्त धनराशि देने की खबर आने के बाद स्वतंत्र निदेशकों ने इसकी पुष्टि करने के लिए कहा है। इससे पहले अमेजन ने एफआरएल के स्वतंत्र निदेशकों को पत्र लिखकर कहा था कि कंपनी द्वारा उसकी सहमति के बिना छोटे आकार के स्टोर को बेचना रोक के आदेश उल्लंघन होगा। हालांकि, इसके साथ ही अमेजन ने नकदी संकट से जूझ रही कंपनी के वित्तीय संकट को दूर करने की इच्छा फिर दोहराई थी। अमेजन ने कहा था कि वह एफआरएल के लिए प्रभावी समाधान ढूंढने को काफी इच्छुक है।

दावोस में डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक 22-26 मई को

नई दिल्ली । विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने कहा कि नए कार्यक्रम के मुताबिक उसकी वार्षिक बैठक 2022 का आयोजन दावोस में 22-26 मई के दौरान किया जाएगा। कोविड-19 महामारी की शुरुआत के बाद यह पहली वैश्विक प्रत्यक्ष रूप से आयोजित बैठक होगी। यह घोषणा डब्ल्यूईएफ दावोस एजेंडा शिखर सम्मेलन के अंतिम दिन हुई। सम्मेलन का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए 17 जनवरी से किया गया। इससे पहले वार्षिक बैठक का आयोजन 17 जनवरी से ही प्रस्तावित था, जिसे बाद में ओमीक्रोन संक्रमण के चलते टाल दिया गया।

देश के 1,000 शहरों में 5जी नेटवर्क लाने की तैयारी में जुटी रिलायंस जियो

नई दिल्ली:

देश की सबसे बड़ी दूरसंचार सेवा कंपनी जियो ने देश के 1,000 छोटे-बड़े शहरों में 5जी नेटवर्क कवरेज का ढांचा खड़ा करने की योजना बनाई है और इसके लिए अपनी फाइबर क्षमता के विस्तार के साथ पायलट योजना भी संचालित कर रही है। रिलायंस जियो इन्फोकॉम के अध्यक्ष किरण थॉमस ने एक बयान में भारत में 5जी सेवाएं मुहैया कराने से जुड़ी अपनी तैयारियों का ब्योरा देते हुए कहा कि इसके सफल संचालन के लिए कंपनी ने कई समर्पित टीमों का गठन किया हुआ है। थॉमस ने कहा, ÷देश भर के करीब 1,000 शहरों में 5जी कवरेज की योजना तैयार कर ली गई है। जियो अपने 5जी नेटवर्क पर स्वास्थ्य देखभाल एवं औद्योगिक स्वचालन जैसे उन्नत क्षेत्रों में परीक्षण भी करती रही है।÷ उन्होंने कहा कि जियो देश के कई शहरों में 5जी नेटवर्क की पायलट परियोजना भी चला रही है। इसके साथ ही त्रिआयामी मानचित्रों की मदद से 5जी सेवा

की शुरुआत के लिए नेटवर्क का खाका भी बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, ÷हम अत्याधुनिक तकनीक की मदद से नेटवर्क का खाका बना रहे हैं।

इसकी वजह यह है कि 5जी बेहद अनूठी प्रौद्योगिकी है जिसे बेहद उन्नत नेटवर्क नियोजन तकनीकों की जरूरत है। इस तरह 5जी नेटवर्क लाने की मंजूरी मिलते ही हम अपनी शुरुआत को प्राथमिकता के हिसाब से तय कर पाएंगे।÷ 5जी स्पेक्ट्रम के लिए नीलामी अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ही शुरू होने की संभावना है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में शे निवार को लगातार 799 वें दिन भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर रही। केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः पांच और 10 रुपए घटाने की घोषणा के बाद 04 नवंबर 2021 को ईंधन की कीमतों में तेजी से कमी आई थी। इसके बाद राज्य सरकार के मूल्य वर्धित कर (वैट) कम करने के फैसले के बाद राजधानी दिल्ली में भी वैट को कम करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद राजधानी में 02 दिसंबर 2021 को पेट्रोल लगभग आठ रुपए सस्ता हुआ था। डीजल की भी कीमतें हालांकि जस की तस बनी रहीं। सप्ताहांत पर शुक्रवार रात लंदन ब्रेंट क्रूड 87.89 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.84 प्रतिशत उतरकर 84.83 डॉलर प्रति बैरल पर रहा था। देश के चार बड़े महानगरों में पेट्रोल और डीजल के दाम इस प्रकार रहे दिल्ली पेट्रोल 95.41 रुपए प्रे ति लीटर, डीजल 86.67 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 104.67 रुपए प्रति लीटर, डीजल 89.79 रुपए प्रे ति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 109.98रुपए प्रति लीटर, डीजल 94.14 डीजल और चेन्नई में पेट्रोल 101.40 रुपए प्रे ति लीटर, डीजल 91.43 रुपए प्रति लीटर है।

प्रमुख तेल कंपनी शेल ने अपने नाम से जुड़ा 'रॉयल डच' हटाया

ह्यूस्टन ।

हाल ही में घोषित एक बड़े पुनर्गठन की योजना के बाद ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी शेल ने अपने नाम से जुड़े %रॉयल डच% शब्द को हटाया है,इस कंपनी ने 130 साल तक चलाया था। अनुमान लगाया गया है कि यूरोनेक्स्ट एम्स्टर्डम और लंदन स्टॉक एक्सचेंज 25 जनवरी को नाम में बदलाव को दर्शाना शुरु करेगा। न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज 31 जनवरी को बदला हुआ नाम दिखाएगा। शुक्रवार को दिए बयान के अनुसार, 20 दिसंबर, 2021 को अपना नाम शेल पीएलसी में बदलने का बोर्ड का निर्णय अब प्रभावी हो गया है। तेल कंपनी के पुनर्गठन के काम में इसकी दोहरी-शेयर संरचना को शेयरों की पंक्ति में एकीकृत करना और अपने मुख्यालय को लंदन ले जाना शामिल है। इन परिवर्तनों में केवल लगभग एक दर्जन अधिकारी शामिल होने वाले है। जिनमें मुख्य कार्यकारी अधिकारी बेन वैन बर्डन और मुख्य वित्तीय अधिकारी जेसिका उहल शामिल हैं, जो लंदन जा रहे हैं। कंपनी ने कहा कि नीदरलैंड में महत्वपूर्ण उपस्थिति बनाए रखने के बावजूद,उस उम्मीद है कि वह ''मानद रॉयल पदनाम का उपयोग करने के लिए शर्तों को पूरा नहीं कर पायेगी'', जिसे उसने 130 से अधिक वर्षों तक उपयोग में लाया है। बयान के अनुसार, शेयरधारकों को ध्यान देना चाहिए कि उनकी शेयरधारिता नाम के परिवर्तन से अप्रभावित रहेगी और मौजूदा शेयर प्रमाणपत्रों को बरकरार रखा जाना चाहिए क्योंकि वे सभी उद्देश्यों के लिए वैध रहेंगे और कोई नया शेयर प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा)

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में 4 प्रतिशत की गिरावट रही

- सेंसेक्स 427 अंक गिरकर 59,037 पर बंद , - निफ्टी 139 अंक टूटकर17,617 पर बंद

मुंबई।

बीते सप्ताह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की मुनाफा वसूली की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग चार प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। कारोबो रियों का कहना है कि डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट से भी घरेलू बाजार नुकसान में रहा। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 122.58 अंक बढ़कर 61,345.61 पर खुला और 85.88 अंक की बढ़त के साथ 61,308.91 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 37.65 अंक की तेजी के साथ 18,293.40 पर खुला और 52.35 अंक बढ़कर 18,308.10 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 138.57 अंक बढ़कर 61,447.48 पर खुला और 554.05 अंक गिरावट के साथ 60,754.86 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 35.50 अंक की तेजी के साथ 18,343.60 पर खुला और 195.05 अंक की गिरावट के साथ 18,113.05 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 208.38 अंक की गिरावट के साथ 60,546.48 पर खुला और 656.04 अंक की गिरावट के साथ 60,098.82 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 84.95 अंक की गिरावट के साथ 18,028.10 पर खुला और 174.65 अंक की गिरावट के साथ 17,938.40 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 164.47 अंक की गिरावट के साथ 59,934.35 पर खुला और 634 अंक टूटकर 59,464 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 52.45 अंक की गिरावट के साथ

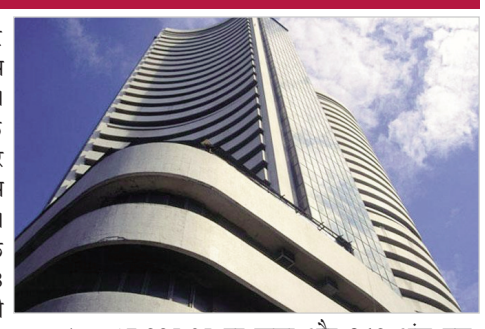

17,885.95 पर खुला और 248 अंक तक फिसलकर 17,689 के स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 690.51 अंक की गिरावट के साथ पर खुला और 427.44 अंक की गिरावट के साथ 59,037.18 पर बंद हुआ। निफ्टी 194.10 अंक की गिरावट के साथ 17,562.90 पर खुला और 139.85 अंक टूटकर 17,617.15 अंक पर बंद हुआ।

कोरोना लहर में डोलो 650 की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 60 फीसदी हुई

- मार्च 2020 में कोरोना के प्रकोप के बाद से 350 करोड़ से अधिक डोलो गोलियां बेची गई

नई दिल्ली ।

कोरोना महामारी की वजह से कई स्वास्थ्य संस्था और फार्मा कंपनियां अरबपति हो गई हैं। इसी कड़ी में डोलो 650 टैबलेट के निर्माता भी शामिल हैं। मार्च 2020 में कोरोना के प्रकोप के बाद से 350 करोड़ से अधिक डोलो गोलियां बेची गई हैं। महामारी के दौरान चिकित्सक सबसे अधिक यही दवा लेने की सलाह देते रहे हैं। इस वजह से डोलो पर आए दिन मीम्स शेयर होते हैं। इन मीम्स ने कहीं न कहीं डोलो 650 के लिए विज्ञापन का काम किया है। पिछले कुछ सप्ताह में ओमीक्रोन को लेकर डर और इसके मामले बढ़ने के साथ ही सोशल मीडिया पर फिर से डोलो पर मीम्स और पोस्ट शेयर होने लगे। इन मीम्स और बिक्री की बदौलत डोलो 650 की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 60 फीसदी के करीब पहुंच चुकी है। डोलो को बेंगलुरु की माइक्रो लैब्स बनाती है। जनवरी माह में भी डोलो के मार्केट शेयर में उछाल दर्ज किया जा रहा है। डोलो 650 एक पैरासीटामोल टेबलेट है, जिसका इस्तेमाल बुखार और दर्द के इलाज में किया जाता है। अनुमान है कि डोलो पर 80 से अधिक मीम्स प्रचलन में हैं जो दवाओं के अप्रत्यक्ष प्रचार, उनके तर्कहीन उपयोग और खुद से अनुचित इलाज के बारे में चिंताओं को जन्म दे रहे हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि विशेषज्ञ बताते हैं कि दवाओं का प्रचार और विज्ञापन, ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज एक्ट का उल्लंघन है, और इसे अनियंत्रित नहीं होने देना चाहिए। चूंकि पैरासिटामोल एक अनुसूचित दवा है, इसलिए इसे बुखार के लिए अधिनियम के तहत प्रचारित नहीं किया जा सकता है। माइक्रो लैब्स का कहना है कि हम इसे कानून के अनुसार प्रचारित कर रहे हैं, और पैक पर वैधानिक चेतावनी है। अगर पेरासिटामोल को निर्धारित डोज में लिया जाता है, तो इसे एक अच्छी तरह से सहन करने की जा सकने वाली दवा के रूप में जाना जाता है लेकिन इसकी ओवरडोज लिवर और अग्नाशय को नुकसान पहुंचा सकती है।

वोडाफोन आइडिया का घाटा बढ़कर 7,231 करोड़

नई दिल्ली ।

कर्ज संकट से जूझ रही दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया के तिमाही नतीजे आ गए हैं। कंपनी ने बताया कि दिसंबर 2021 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसका घाटा बढ़कर 7,230.9 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी को एक साल पहले इसी अवधि में 4,532.1 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। वोडाफोन आइडिया ने बताया कि इस अवधि में ऑपरेशन्स से कंसोलिडेटेड रेवेन्यू में 10,894.1 करोड़ रुपए से 10.8 प्रतिशत की कमी आई और यह घटकर 9,717.3 करोड़ रुपए रहा। इसके अलावा कंपनी के सब्सक्राइबर्स में भी कमी आई है। कंपनी का सब्सक्राइबर बेस घटकर 24.72 करोड़ रह गया, जो एक साल पहले की इसी अवधि में 26.98 करोड़ था। टैरिफ हाइक के बावजूद कंपनी की प्रति यूजर औसत आय लगभग पांच प्रतिशत घटकर 115 रुपए रह गई, जो 2020-21 की समान तिमाही में 121 रुपए थी।

बैंक, एनबीएफसी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 40,000 करोड़ दे सकते हैं कर्ज!

नई दिल्ली ।

भारत में बैंको और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के पास इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 2025 तक 40,000 करोड़ रुपए का कर्ज देने की क्षमता है। वहीं 2030 इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए उनका कर्ज 3.7 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। सरकारी शोध संस्थान नीति आयोग और रॉकी माउंटेन इंस्टिट्यूट इंडिया (आरएमआई) ने एक संयुक्त रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया है। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैंकिंग शीर्षक की रिपोर्ट में देश में बिजली चालित परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र में खुदरा ऋण के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र की पहचान के महत्व को रेखांकित किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंकों और गैर बैंकिंग-वित्तीय कंपनियों में क्षमता है कि वे 2025 तक इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 40,000 करोड़ रुपए और 2030 तक 3.7 लाख करोड़ रुपए तक का कर्ज दे सकते हैं। हालांकि इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए खुदरा वित्तपोषण उतनी रफ्तार नहीं पकड़ पा रहा है। रिपोर्ट कहती है कि बैंकों और एनबीएफसी द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद के लिए प्रदान किए जाने वाले ऋण को रिजर्व बैंक की प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों को ऋण (पीएसएल) के दिशानिर्देशों में शामिल किया जाना चाहिए। इस रिपोर्ट के बारे में नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत ने कहा कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की स्वीकार्यता बढ़ाने में वित्तीय संस्थान अहम भूमिका निभा सकते हैं।

बजट में आयकर सीमा 2.5 लाख से बढ़ सकती है: सर्वे

मुंबई ।

ज्यादातर लोगों ने संभावना जताई है कि वित्त वर्ष 2022-23 के आम बजट में आयकर छूट की सीमा को 2.5 लाख रुपए से बढ़ाया जा सकता है। केपीएमजी इंडिया के एक सर्वे में यह राय उभरकर सामने आई है। आम बजट एक फरवरी को पेश किया जाएगा। बजट से पहले केपीएमजी द्वारा किए गए सर्वेक्षण में 36 प्रतिशत लोगों का मानना है कि 80सी कटौती के तहत कटौती की सीमा को 1.5 लाख रुपए से बढ़ाया जा सकता है। वहीं 19 प्रतिशत का कहना था कि वेतनभोगियों के लिए मानक कटौती की सीमा को मौजूदा के 50,000 रुपए से बढ़ाया जा सकता है। सर्वेक्षण के अनुसार 16 प्रतिशत उत्तरदाताओं को उम्मीद है कि बजट में वेतनभोगियों के लिए घर से काम करने की व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कर-मुक्त भत्ता, अन्य लाभ दिया जा सकता है। इसमें इंटरनेट कनेक्शन, फर्नीचर और ईयरफोन के लिए प्रावधान किया जा सकता है। केपीएमजी ने बजट-पूर्व यह सर्वे जनवरी 2022 में किया है। इसमें वित्तीय क्षेत्र से जुड़े लगभग 200 पेशेवरों के विचार लिए गए हैं। सर्वेक्षण में 64 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मूल आयकर छूट की सीमा 2.5 लाख रुपए सालाना से बढ़ाई जाएगी। गौरतलब है कि इस बार संसद का बजट सत्र 31 जनवरी को दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ शुरू होगा और 8 अप्रैल को समाप्त होगा। सूत्रों ने संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति की सिफारिश का हवाला देते ये जानकारी दी है। 1 फरवरी 2022 को आम बजट देश के सामने रखा जाएगा। सत्र का पहला भाग 11 फरवरी को समाप्त होगा। एक महीने के अवकाश के बाद सत्र का दूसरा भाग 14 मार्च से शुरू होगा और 8 अप्रैल को समाप्त होगा।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 634 अरब डॉलर के पार

मुंबई ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 2.229 अरब डॉलर बढ़कर 634.965 अरब डॉलर पहुंच गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार इससे पहले सात जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 87.8 करोड़ डॉलर घटकर 632.736 अरब डॉलर हो गया था। जबकि तीन सितंबर, 2021 को समाप्त सप्ताह में यह रिकार्ड 642.453 के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। आरबीआई के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 14 जनवरी को समाप्त समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में उछाल आने की वजह कुल मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीए) तथा स्वर्ण आरक्षित भंडार में वृद्धि है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार सप्ताह के दौरान एफसीए 1.345 अरब डॉलर बढ़कर 570.737 अरब डॉलर हो गया। डॉलर में अभिव्यक्त किए जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पौंड और येन जैसे गैर-अमेरिकी मुद्रा के घट-बढ़ को भी शामिल किया जाता है। इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 27.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 39.77 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास विशेष आहरण अधिकार 12.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 19.22 अरब डॉलर हो गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में देश का मुद्रा भंडार भी 3.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 5.238 अरब डॉलर हो गया।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में जोरदार गिरावट

मुंबई ।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में जोरदार गिरावट दर्ज की गई है। दु निया की सभी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसीज़ में अच्छी खासी गिरावट देखी गई। सबसे ज्यादा गिरावट बिटकॉइन, इथेरियम, बीएनबी, कार्डानो और सोलाना में आई, जिससे क्रिप्टो बाजार से लगभग 150 बिलियन डॉलर का सफाया हो गया।सबसे चर्चित क्रिप्टो बिटकॉइन लगभग 15 फीसदी गिर गया और शुक्रवार की देर रात लगभग 36,000 डॉलर का कारोबार कर रहा था। ईथर, मार्केट कैप के हिसाब से दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी, लगभग 20 फीसदी की गिरावट के साथ 2,500 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही है। क्रिप्टोकरेंसी में गिरावट गुरुवार को वॉल स्ट्रीट के नुकसान के बाद हुई। नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स और एसएंडपी 500 (दोनों अमेरिकी स्टॉक मार्केट इंडेक्स हैं) के लिए यह मार्च 2020 के बाद सबसे खराब सप्ताह था। शुक्रवार को नैस्डैक में 2.7 फीसदी की गिरावट आई, वहीं एसएंडपी 500 में 1.89 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इस हफ्ते नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स में 7.55 फीसदी और एसएंडपी 500 में 5.7 फीसदी गिरावट आई है। साल के शुरुआत में निवेशक जोखिम नहीं उठाना चाह रहे हैं। वहीं अमेरिकी फेडरल रिजर्व मुद्रास्फीति से निपटने के लिए इस साल कई बार ब्याज दरें बढ़ा सकता है, इस वजह से भी बाजार प्रभो वित हो रहा है। पिछले हफ्ते फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने तेज से बढ़ती मुद्रास्फीति को देश के आर्थिक सुधार के लिए गंभीर खतरा बताया था। जिसके बाद निवेशकों को लग रहा है कि फेडरल रिजर्व इस साल मुद्रास्फीति से निपटने के लिए कई बार ब्याज दरें बढ़ाएगा। इस वजह से भी बाजार प्रभावित हुआ है।

टीम मानसिक रूप से मजबूत, भरोसा है कि हम अच्छा कर सकते हैं : भारतीय गोलकीपर अदिति चौहान

मुंबई ।

गोलकीपर अदिति चौहान ने शनिवार को कहा कि एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल के शुरूआती मैच में ईरान से गोलरहित ड्रा के बावजूद भारतीय टीम की सदस्यों को पूरा भरोसा है कि वे टूर्नामेंट में अच्छा कर सकती हैं। अदिति ने अपने 50वें अंतरराष्ट्रीय मैच में टीम के खिलाफ कोई गोल नहीं होने दिया। जब उनसे भारतीय खेमे के मूड के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सभी आत्मविश्वास से भरी हैं। सभी लड़कियां मानसिक रूप से काफी मजबूत हैं। अपनी 50 मैच की उपलब्धि के बारे में इस गोलकीपर ने कहा कि आप वास्तव में इन चीजों के बारे में कभी नहीं सोचते। निश्चित रूप से जब युवा थी तो भारतीय जर्सी पहनने के बारे में हमेशा सपना देखती थी। हर बार भारत की जर्सी पहनना विशेष रहा है। लेकिन लगातार कई वर्षों तक ऐसा करना सम्मान की बात है जिसके लिये मैं बहुत ही भाग्यशाली हूं।

तीसरे एकदिवसीय में बदलावों के साथ उतर सकती है टीम इंडिया

केपटाउन ।

टीम इंडिया रविवार को यहां मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में कुछ बदलावों के साथ उतरेगी। पहले दोनों मैच में भारतीय टीम को करारी हार मिल थी। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में जीतकर सीरीज का समापन करना रहेगा। भारतीय टीम के मध्य क्रम के बल्लेबाज और गेंदबाज इस सीरीज में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। भारतीय टीम अब तक इस सीरीज में बल्लेबाजी के दौरान लंबी साझेदारी नहीं बना पायी है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह के अलावा अन्य गेंदबाज प्रभावी नहीं रहे हैं, भुवनेश्वर कुमार के अलावा अनभवी स्पिनर आर अश्विन और यजुवेन्द्र चहल भी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये। इन दोनों मैचों में एक बार भी भारतीय गेंदबाज मेजबान टीम के सभी विकेट नहीं ले पाये। पहले मैच में चार और दूसरे मैच में केवल तीन विकेट ही उन्हें मिल पाये। पहले दो मैचों में हार से कार्यवाहक कप्तान लोकेश राहुल की नेतृत्व क्षमता के साथ ही भारतीय टीम की रणनीति पर भी सवाल उठे हैं। ऐसे में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ तीसरे मैच में आक्रमण को युवा गेंदबाजों जयंत यादव और दीपक चाहर को उतार सकते हैं। पहले दो मैच बोलैंड पार्क पर खेले गए जहां कम तेजी और उछाल रहती है जबकि न्यूलैंड्स की पिच पर अधिक तेजी और उछाल होने की संभावना है। सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने वापसी पर अच्छी फॉर्म दिखायी है। पूर्व कप्तान विराट कोहली ने पहले मैच में 51 रन बनाए पर उन्हें एकदिवसीय कप्तानी से हटाया गया था और मैदान पर उनकी पहले जैसी ऊर्जा नजर नहीं आई। इसके अलावा श्रेयस अय्यर श्रेयस को भी रन बनाने होंगे। वहीं दूसरी ओर मेजबान दक्षिण अपफ्रीकी टीम पहले दोनो मैच जीतने से उत्साहित है और उसका इरादा इस मैच को भी जीतकर 3-0 से सीरीज अपने नाम करना रहेगा। मेजबान टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज लय में हैं और इससे भी उनका मनोबल बढ़ा हुआ है।

पीवी सिंधू सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में

लखनऊ ।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू शनिवार को यहां 5वीं वरीयता प्राप्त रूसी प्रतिद्वंद्वी इवजेनिया कोसेतस्काया के सेमीफाइनल में रिटायर्ड हर्ट होने से सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में पहुंच गयीं। शीर्ष वरीय सिंधू ने आसानी से पहला गेम 21-11 से जीत लिया था जिसके बाद कोसेतस्कया ने दूसरे महिला एकल सेमीफाइनल मैच से रिटायर्ड हर्ट होकर हटने का फैसला किया। पूर्व विश्व चैम्पियन सिंधू रविवार को फाइनल में हमवतन मालविका बंसोद से भिड़ेगी। मालविका ने तीन गेम तक चले सेमीफाइनल में एक अन्य भारतीय अनुपमा उपाध्याय को 19-21 21-19 21-7 से पराजित किया। लय, विश्व रैंकिंग और प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जीत के रिकॉर्ड को देखते हुए सिंधू के लिये यह मुकाबला आसान होने की उम्मीद थी। बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज सिंधू ने शनिवार के मुकाबले से पहले दुनिया की 28वें नंबर की खिलाड़ी कोसेतस्काया को दो बार हराया था और इस शीर्ष भारतीय ने फिर इस रूसी खिलाड़ी के खिलाफ अपना दबदबे वाला रिकॉर्ड बनाए रखा।

हालेप और सबालेंका ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के चौथे दौर में पहुंचे

मेलबर्न।

रोमानिया की सिमोना हालेप और आर्यना सबालेंका ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के चौथे दौर में पहुंच गयी हैं। हालेप ने डैंका कोविनिच को 6-2, 6-1 से हराकर लगातार पांचवें साल आस्ट्रेलियाई ओपन के चौथे दौर में स्थान बनाया। वहीं सबालेंका ने मर्डेका वोंड्रोसोवा के खिलाफ पहला सेट हारने के बाद 4-6, 6-3, 6-1 से वापसी करते हुए शानदार जीत दर्ज की। 14 वीं वरीयता प्राप्त हालेप का अगला मुकाबला अब एलाइज कॉर्नेट से होगा जिन्होंने 29वीं वरीय तमारा जिदानसेक को 4-6, 6-4, 6-2 से हराया था। कॉर्नेट ने गरबाइन मुगुरुजा को हराकर पहली बार आस्ट्रेलियाई ओपन के चौथे दौर में जगह बनायी है। वहीं अमेरिका की 27वीं वरीयता प्राप्त डेनिली कोलिन्स ने पहला सेट हारने के बाद 19 वर्षीय क्लारा टॉसन को 4-6, 6-4, 7-5 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। अब उनका मुकाबला 19वीं वरीयता प्राप्त एलिस मर्टन्स से होगा।

आईपीएल नीलामी में वॉर्नर, रैना , किशन और धवन सहित 1214 खिलाड़ियों पर लगेगी बोली

896 भारतीय और 318 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र के लिए अगले माह होने वाली मेगा नीलामी में 1214 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी। इसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर और मिचेल मार्श उन 49 खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिनका आधार मूल्य आईपीएल 2022 की मेगा नीलामी के लिए 2 करोड़ रुपये रखा गया है। आईपीएल की मेगा नीलामी अगले महीने 12 और 13 फरवरी को बेंगलुरु में होगीहै। नीलामी के लिए इस बार 1214 खिलाड़ियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। इनमें 896 भारतीय और 318 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं।

मेगा नीलामी में इस बार करीब 1214 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी। इनमें 270 कैप्ड, 903 अनकैप्ड और 41 एसोसिएट देशों के खिलाड़ी शामिल हैं। 1214 में से 49 खिलाड़ियों ने अपना आधारमूल्य 2 करोड़ रुपये रखा है। इन 49 खिलाड़ियों में से 17 भारतीय और 32 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीयों में आर अश्विन, श्रेयस अय्यर, शिखर धवन, ईशान किशन, सुरेश रैना हैं जबकि विदेशियों में पैट कमिंस, एडम जम्पा, स्टीवन स्मिथ, शाकिब अल हसन, मार्क वुड, ट्रेंट बोल्ट, फाफ डु प्लेसिस, क्विंटन डी कॉक, कैगिसो रबाडा और ड्वेन ब्रावो हैं। आईपीएल 2022 के लिए इस बार टीमें 90 करोड़ रुपये खर्च कर सकती हैं। इसमें प्रत्येक फ्रेंचाइजी की टीम में अधिकतम 25 खिलाड़ी होंगे और 217 खिलाड़ियों को ही नीलामी में खरीदा जाएगा।इनमें से 70 विदेशी खिलाड़ी हो सकते हैं। इसके अलावा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के पूर्व सलामी बल्लेबाज देवदत्त पडिकल, गेंदबाज हर्षल पटेल और वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर ओडियन स्मिथ ने भी अपना आधार मूल्या 2 करोड़ रुपये रखा है। जिन 318 विदेशी खिलाड़ियों पर बोली लगने हैं, उनमें सबसे ज्यादा ऑस्ट्रेलिया के 59 खिलाड़ी है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका से 48, वेस्टइंडीज से 41, श्रीलंका से 41, अफगानिस्तान से 20, बांग्लादेश से 19, इंग्लैंड से 30, न्यूजीलैंड से 29, नेपाल से 15, अमेरिका से 14, नामीबिया से पांच, आयरलैंड से तीन, जिम्बाब्वे से दो और भुटान, नीदरलैंड्स, ओमान, स्कॉटलैंड और यूएई से एक-एक खिलाड़ी शामिल हैं। इस बार नीलामी में 8 की जगह 10 टीमें रहेंगी, इससे ज्यादा खिलाड़ियों को खेलने के अवसर मिलेंगे। इन टीमों ने नीलामी से पहले ही 33 खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ा है। वहीं मिचेल स्टार्क, सैम कुरेन, बेन स्टोक्स, क्रिस गेल, जोफा आर्चर और क्रिस वोक्स नीलामी की शुरुआती सूची में शामिल नहीं हैं।

संक्षिप्त समाचार

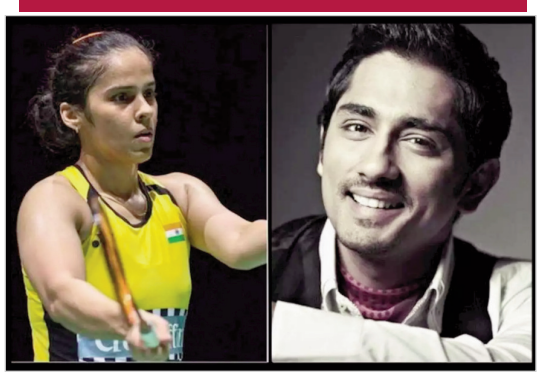

साइना पर अभद्र टिप्पणी करने वाले अभिनेता को चेन्नई पुलिस ने समन भेजा

चेन्नई । बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल को लेकर आपत्तिजनक ट्वीट करने वाले अभिनेता सिद्दार्थ की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पुलिस ने सिद्दार्थ के खिलाफ समन जारी किया है। चेन्नई पुलिस के कमिश्नर शंकर जीवल ने एक आधिकारिक बयान जारी करके कहा है, 'अभिनेता सिद्धार्थ को बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल पर उनके विवादास्पद ट्वीट को लेकर तलब किया गया है क्योंकि हमें इस संबंध में दो शिकायतें मिली हैं और इस मामले में हम उनसे उनका बयान दर्ज करना चाहते हैं।' साइना ने साइना को लेकर अभद्र ट्वीट किया था जिसके बाद लोगों ने उनकी कड़ी आलोचना की थी। ऐसे में सिद्धार्थ ने एक और पोस्ट के जरिए साइना से माफी मांगी थी। गौरतलब है कि साइना ने पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में हुई लापरवाही को लेकर एक पोस्ट जारी किया था। इसमें उन्होंने लिखा था- 'कोई देश खुद के सुरक्षित होने का दावा नहीं कर सकता है अगर प्रधानमंत्री की सुरक्षा से ही समझौता हो जाए। मैं इसकी कड़े शब्दों में निंदा करती हूं।' उनके इसी ट्वीट पर सिद्धार्थ ने आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। साइना ने भी इसपर नाराजगी व्यक्त की थी।

अहमदाबाद फ्रैंचाइजी का कप्तान बनाये जाने से उत्साहित हैं पंडया

मुम्बई । आईपीएल के 2022 सत्र के लिए नई टीम अहमदाबाद का कप्तान बनाये जाने से ऑलराउंडर हार्दिक पंडया बेहद उत्साहित हैं। पंड्या ने कहा कि यह उनके लिए एक नए युग की शुरुआत है। अहमदाबाद ने मुंबई इंडियंस टीम के पूर्व ऑलराउंडर पंडया को 15 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा है। वहीं आईपीएल 2022 रिटैंशन के दौरान मुंबई ने हार्दिक को रिलीज कर दिया था। आईपीएल में पहली बार हार्दिक किसी टीम की कप्तानी करते हुए दिखेंगे। माना जा रहा है कि पंड्या गुजरात से संबंध रखते हैं और स्थानीय प्रशंसकों के बीच उनकी लोकप्रियता को भुनाने के लिए ही फ्रैंचाइजी ने उन्हें कप्तान बनाया है। पंडया को अब अपनी फिटनेस हासिल करनी होगी क्योंकि वह पिछले कुछ वर्षों से फिटनेस से जुड़ी परेशानियों से संघर्ष कर रहे थे। अहमदाबाद ने पंडया के अलावा जिन दो अन्य खिलाड़ियों से करार किया है वह कोलकाता नाइटराइडर्स के पूर्व सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल और सनराइजर्स हैदराबाद के स्पिनर राशिद खान हैं। राशिद को अहमदाबाद ने अपने साथ 15 करोड़ रुपये में जोड़ा है। वहीं राशिद टी20 क्रिकेट के बेहतरीन गेंदबाजों में से शुभमन को अहमदाबाद फ्रैंचाइजी ने 8 करोड़ रुपये में टीम में शामिल किया है। इन तीनों खिलाड़ियों के नामों की घोषणा अहदाबाद फ्रैंचाइजी के डायरेक्टर विक्रम सोलंकी ने की। अहमदाबाद फ्रैंचाइजी बल्लेबाजी के कोच और मेंटोर दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी गैरी कर्स्टन होंगे जबकि मुख्य कोच की जिम्मेदारी पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा के पास रहेगी।

हालातों के अनुसार खेलने और शॉट चयन पर मिलती है सलाह : ऋषभ

पार्ल ।

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबा ऋषभ पंत ने कहा है कि उन्हें हालातों के अनुसार खेलने और शॉट चयन को लेकर टीम प्रबंधन से सलाह मिलती रही है। ऋषभ की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जोहानिसबर्ग में दूसरे टेस्ट मैच के दौरान गैरजिम्मेदाराना शॉट खेलने के लिये कड़ी आलोचना हुई थी तथा पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा था कि टीम प्रबंधन ने बायें हाथ के इस बल्लेबाज के साथ इसको लेकर बात की है। वहीं अब केपटाउन में तीसरे टेस्ट में शतक और यहां दूसरे एकदिवसीय में 85 रन बनाने वाले इस बल्लेबाज ने कहा, ''हमेशा सकारात्मक बातें होती हैं कि एक खिलाड़ी के तौर पर मैं क्या कर सकता हूं। मेरे पास सभी स्ट्रोक हैं पर मैं धैर्य के साथ और हालातों के अनुसार उन्हें कैसे खेल सकता हूं , इसलिए काफी बाता होती है।'' उन्होंने कहा, ''और हम जो भी चर्चा करते हैं, उसके अनुसार अभ्यास करते हैं और फिर मैच में उसे लागू करने की कोशिश करते हैं।''

ऋषभ को दूसरे एकदिवसीय में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया था और वह टीम प्रबंधन की उम्मीदों पर सही साबित हुए थे। उन्होंने कहा, ''चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने का कारण यह था कि यदि बायें हाथ के बल्लेबाज को मध्यक्रम में मौका मिलता है तो फिर दायें और बायें हाथ के बल्लेबाज के संयोजन के साथ स्ट्राइक रोटेट करना आसान हो जाता है। विशेषकर बीच के ओवरों में जब लेग स्पिनर या बायें हाथ के स्पिनर गेंदबाजी करते हैं।''ऋषभ ने कहा, ''इसलिए टीम प्रबंधन को लगा कि बायें हाथ के बल्लेबाज को बल्लेबाजी करनी चाहिए और इसलिए यह भूमिका मुझे सौंपी गयी।'' इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने इसके साथ ही कहा कि टीम लगातार सुधार के लिये अपनी

गलतियों से सीख ले रही है। उन्होंने कहा, ''बल्लेबाजी के लिहाज से हम सही चल रहे हैं। हम अपनी गलतियों से सीख रहे हैं और हर दिन भारतीय क्रिकेट टीम के रूप में हम अपने खेल को बेहतर बनाने का प्रयास करते हैं।

डिकॉक हमारे लिए एक मूल्यवान खिलाड़ी: बावुमा

पार्ल । दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने अनुभवी सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि वह हमारे लिए बेहद कीमती खिलाड़ी हैं। डिकॉक ने भारतीय टीम के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में 78 रनों की पारी खेली थी। बावुमा ने कहा कि भारतीय टीम के खिलाफ जीतने से पूरी टीम को बेहद खुशी हुई है। हम शुरुआत से ही सीरीज जीतना चाहते थे। डिकॉक को टीम में पाकर अच्छा लगा और उसने हमें फिर से दिखाया है कि वह हमारे लिए इतना मूल्यवान खिलाड़ी किसलिए है। एक टीम के तौर पर हमें अपनी क्षमताओं पर काफी भरोसा है, इसके साथ ही हमारा मनोबल भी बढ़ा है। हम ऐसी टीम नहीं हैं जिसमें स्टार खिलाड़ी हो जो व्यक्तिगत प्रदर्शन पर अधिक भरोसा करते हैं। हम वास्तव में एक इकाई के तौर पर मिलकर प्रयास करते हैं। टेस्ट से इस सीरीज आने के बाद किसी को भी हम पर ज्यादा भरोसा नहीं था और इससे हमें काफी प्रेरणा मिली। बावुमा ने कहा कि पिछले महीने में प्रदर्शन वास्तव में अच्छा रहा है। स्पिनरों ने शानदार काम किया है। यह बहुत अच्छी बात है। हम तेज गेंदबाजों पर गर्व करते हैं पर हमारे स्पिनर भी मैच जिता रहे हैं जो सबसे खुशी की बात है। मुझे भी अपनी टीम की कप्तानी में मजा आ रहा है।

भुवनेश्वर की जगह दीपक चाहर को शामिल करें : गावस्कर

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि अगले एकदिवसीय विश्व कप 2023 को देखते हुए टीम में बदलाव करने होंगे। गावस्कर ने कहा है कि टीम में भुवनेश्वर कुमार की जगह युवा तेज गेंदबाज दीपक चाहर को जगह देनी चाहिये। गावस्कर के अनुसार भूवी की यॉर्कर और धीमी गेंद अब पहले की तरह फायदेमंद नहीं रही हैं। यही कारण है कि भुवनेश्वर दोनों एकदिवसीय मैचों में प्रभावी नहीं रहे। गावस्कर का मानना है कि भारत अगले साल आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप की मेजबानी करने जा रहा । इसलिए चाहर जैसे युवा खिलाड़ी को जगह देनी चाहिये। वह निचले क्रम पर बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। गावस्कर ने कहा कि भूवी ने भारतीय क्रिकेट को बहुत कुछ दिया है पर पिछले एक साल में फ्रेंचाइजी स्तर के टी20 क्रिकेट में भी वह बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। पारी की शुरुआत में नहीं बल्कि वह अंतिम ओवर्स में काफी महंगे साबित हो रहे हैं। वह शानदार यॉर्कर और धीमी गेंदों का इस्तेमाल करते थे पर अब वह काम नहीं कर रही हैं। ऐसा भी हो सकता है विपक्षी टीम ने उन्हें अच्छी तरह से समझ लिय हो। इसलिए अब समय आ गया है कि भारतीय टीम को किसी और नये खिलाड़ी को शामिल करना चाहिये। यह काम जिनती जल्दी को अच्छा रहेगा क्योंकि इसे उस खिलाड़ी के पास विश्व कप कप तक तैयार होने का समय रहेगा।

एशिया कप महिला हॉकी : जापान के खिलाफ लय जारी रखना चाहेगा भारत

मस्कट ।

जीत से शानदार तरीके से अभियान शुरू करने वाली गत चैम्पियन भारतीय टीम रविवार को महिला एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के पूल ए के दूसरे मैच में निचली रैंकिंग की जापान के खिलाफ इसी लय को जारी रखना चाहेगी। फॉर्म और विश्व रैंकिंग को देखते हुए जापान के खिलाफ जीत की पूरी उम्मीद है जो दुनिया की नौंवी रैंकिंग वाली भारतीय टीम के लिए सेमीफाइनल स्थान सुनिश्चित कर देगी। भारतीय टीम ने मलेशिया को 9-0 से रौंदकर एशिया कप अभियान शानदार तरीके से शुरू किया और वह बचे हुए टूर्नामेंट में भी इसी प्रदर्शन को जारी रखना चाहेगी जिसमें विश्व कप के चार स्थान दाव पर लगे हैं। ओलंपिक पदक से चूकी भारतीय टीम ने शुक्रवार को मलेशिया के खिलाफ धीमी शुरूआत की लेकिन जैसे मैच आगे बढ़ता गया उसका आत्मविश्वास भी बढ़ता गया। इससे उसने विपक्षी टीम के डिफेंस से खेलते हुए पहले हाफ में चार और दूसरे हाफ में पांच गोल कर डाले। मलेशिया के खिलाफ अनुभवी स्ट्राइकर वंदना कटारिया, नवनीत कौर और शमिला देवी ने दो दो मैदानी गोल किये जबकि लालरेमसियामी, मोनिका और दीप ग्रेस एक्का ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया। भारत की अग्रिम पंक्ति ने मलेशिया के खिलाफ बेहतर खेल दिखाया लेकिन चिंता की बात है कि उसकी रक्षापंक्ति की पहले मैच में परीक्षा नहीं हो सकी। हालांकि जापान की टीम रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज है लेकिन भारतीय टीम के मुख्य कोच यानेक शॉपमैन रविवार को मौजूदा एशियाई खेलों की चैम्पियन के खिलाफ मिलने वाली चुनौती से भली भांति वाकिफ हैं। शॉपमैन ने कहा कि यह अच्छा मैच होना चाहिए। जापान भी अनुभवी टीम लाया है इसलिये हम उनके खिलाफ खेलने के लिये तैयार हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि हम अपनी मजबूती के हिसाब से योजना का कार्यान्वयन कर सकते हैं या नहीं। भारत की तरह ही जापान ने भी अभियान सिंगापुर को 6-0 से हराकर शुरू किया। लेकिन भारत का हाल के समय में हुए मुकाबलों में जापान पर दबदबा रहा है जिसमें उसने 2019 में एक 'टेस्ट स्पर्धा% में उसे 2-1

से मात दी थी। भारतीय टीम ने अगस्त 2019 में तोक्यो ओलंपिक टेस्ट स्पर्धा के फाइनल में भी जापान को 2-1 के अंतर से हराया था। भारतीय टीम सोमवार को सिंगापुर के खिलाफ अपना अंतिम पूल मैच खेलेगी।

भारतीय महिला टीम के पास फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की क्षमता है : बाला देवी

नई दिल्ली । भारतीय महिला फुटबॉल टीम की अनुभवी खिलाड़ी एन बाला देवी का मानना है कि टीम के पास मौजूदा एएफसी एशियाई कप में अच्छा प्रदर्शन करने और अगले फीफा विश्व कप के लिए पहली बार क्वालीफिकेशन हासिल करने की काबिलियत है। बाला देवी यूरोप की शीर्ष लीग में पेशेवर अनुबंध पर हस्ताक्षर करने वाली देश की एकमात्र महिला फुटबॉलर हैं। उन्होंने स्कॉटिश क्लब रेंजर्स का प्रतिनिधित्व किया है। भारतीय टीम को एएफसी एशियाई कप के अपने पहले मैच में निचली रैंकिंग वाली टीम ईरान ने गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया था। टीम को अब चीनी ताईपै के खिलाफ अगले मुकाबले में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। सर्जरी से उबर रही 31 साल की यह स्ट्राइकर टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं बन सकी लेकिन उन्हें उम्मीद है कि टीम इस चुनौती से सफलता पूर्वक निपट लेगी। बाला देवी ने कहा कि मुझे अपनी टीम पर भरोसा है। मैं अपने मौकों को लेकर सकारात्मक हूं, खासकर इसलिए क्योंकि हम घर पर खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्या हम विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर सकते है? मुझे ऐसा लगता है। पिछले दो या तीन वर्षों से प्रतिस्पर्धी मैचों में खुद को परखना कठिन रहा है। लेकिन मुझे लगता है कि प्रतिस्पर्धा के लिए हमारा स्तर काफी ऊंचा है और हमारे पास इसे पार करने के लिए पर्याप्त क्षमता हैं। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीमें 2023 फीफा विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगी। अगर ऑस्ट्रेलिया की टीम सेमीफाइनल में पहुंचती है तो टूर्नामेंट से 2 और टीमें सीधे तौर पर क्वालीफाई करेंगी। इसका फैसला हालांकि क्वार्टर फाइनल मैच में हारने वाली टीमों के बीच दो और चार फरवरी को होने वाले मुकाबलों से होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गहराइयां में दीपिका ने सिद्धांत संग दिए जमकर बोल्ड सीन्स

रणवीर ने दिया यह रिएक्शन

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण की फिल्म गहराइयां का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। फिल्म का ट्रेलर फैंस के साथ ही सेलेब्स को भी काफी पसंद आ रहा है। फिल्म में दीपिका ने एक्टर सिद्धांत चुतर्वेदी संग जमकर बोल्ड सीन्स दिए हैं। ट्रेलर में भी दोनों के बीच कई किसिंग सीन्स दिखाए गए हैं। फिल्म में दीपिका पादुकोण के बोल्ड सीन्स करने के बाद हर किसी को उनके पति रणवीर सिंह के रिएक्शन का इंतजार था। अब रणवीर का ट्रेलर पर रिएक्शन सामने आ गया है। रणवीर सिंह ने फिल्म से दीपिका पादुकोण की एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, मूडी, सेक्सी और इंटेंस। डॉमेस्टिक नोयर? साइन कर लिया है। बता दें कि अमेजन ऑरिजिनल मूवी गहराइयां की निर्देशक शकुन बत्रा हैं। फिल्म में दीपिका पादुकोण और सिद्धांत चतुर्वेदी केसाथ अनन्या पांडे, धैर्य करवा प्रमुख भूमिकाओं में हैं। साथ ही नसीरुद्दीन शाह और रजत कपूर भी अहम किरदार में हैं। यह फिल्म 11 फरवरी 2022 को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिल्म गहराइयां एक रिलेशनशिप ड्रामा है, जिसमें आज के जमाने के रिश्ते की उलझनों और इसकी अंदरूनी परतों, युवाओं के जीवन के खास पहलुओं तथा उन्मुक्त होकर अपनी मर्जी से जिंदगी बिताने की इच्छा को बखूबी प्रदर्शित किया गया है।

शाहरुख खान की सोशल मीडिया पर वापसी

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान अपने बेटे आर्यन खान के ड्रग्स केस में फंसने के बाद से ही लाइमलाइट से दूर थे। आर्यन खान के जेल जाने के बाद शाहरुख ने अपने प्रोजेक्ट की शूटिंग रोक दी थी और सोशल मीडिया से भी दूरी बना ली थी। अब किंग खान एक बार फिर सोशल मीडिया पर वापसी कर चुके हैं। आर्यन खान केस के बाद शाहरुख खान ने पहली बार अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। हालांकि ये पोस्ट एक एड का है। भले ही ये एड का पोस्ट है, लेकिन शाहरुख के सोशल मीडिया पर कमबैक से फैंस काफी खुश है। फैंस शाहरुख की पोस्ट पर कमेंट करके वेलकम बैक किंग कह रहे हैं। शाहरुख खान ने एक प्रमोशनल वीडियो पोस्ट किया है। वीडियो में शाहरुख के साथ उनकी पत्नी गौरी खान भी नजर आ रही हैं। इस वीडियो की शुरुआत में शाहरुख एक लग्जरी कार से बंगले में एंट्री करते हैं। इसके बाद शाहरुख और गौरी सोफे पर बैठकर एक टीवी देखते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए शाहरुख ने कैप्शन में लिखा, बहुत कम बार आप किसी ऐसे प्रोडक्ट से जुड़ते हैं जिसमें कला और टेक्नोलॉजी का ऐसा सामंजस्य होता है।

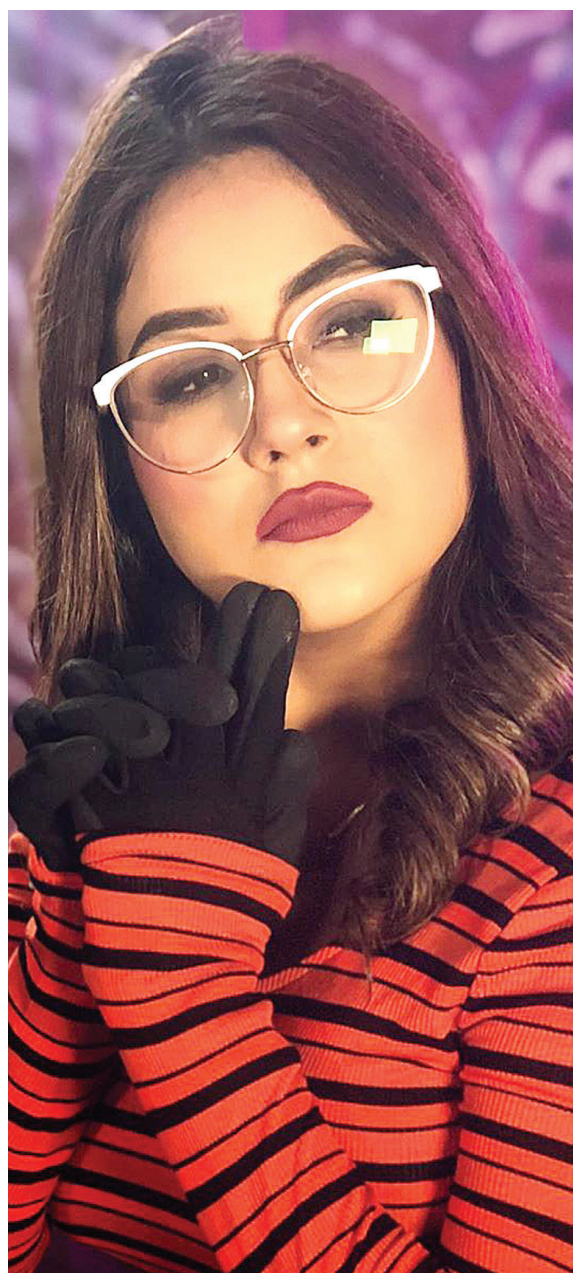

मुंबई ने मेरे जैसे स्कूटर वालों को करियर बनाने का मौका दिया-कपिल

कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा ने अपने संघर्ष के दिनों के कुछ किस्से साझा किए हैं। एक बातचीत में, अपने शुरूआती संघर्ष के दिनों के बारे में बताते हुए, कपिल ने कहा कि मेरी ऐसी कोई योजना नहीं थी। अगर मैं बताऊंगा कि मैंने कैसे काम शुरू किया तो लोग हंसेंगे। मैंने पहले बीएसएफ के लिए कोशिश की, फिर सेना में गया। मेरे पिता और चाचा पुलिस बल का हिस्सा थे। लेकिन पापा काफी संगीतकारों को जानते थे और उन्होंने मुझे उनसे मिलवाया। वह चाहते थे कि मैं जीवन में कुछ बड़ा या रचनात्मक करूं। कपिल ने कहा कि मुझे याद है कि मैं पहली बार अपने दोस्तों के साथ मुंबई आया था। हम निर्देशकों की तलाश में जुहू बीच पर घूमते थे जैसे कि हमारे पास जीवन में करने के लिए बेहतर कुछ नहीं था। तब से अब तक – चीजें बहुत बदल गई हैं। मुंबई ने मेरे जैसे स्कूटर वालों को एक मंच पर खड़े होने और लोगों का मनोरंजन करने का मौका दिया है। स्टार कॉमेडियन ने कहा कि मुझे याद है मैं बिलकुल नया था मुंबई में और इस बात से अनजान था कि मेरे रास्ते में क्या आ रहा था। मैं मुंबई की हलचल भरी सड़कों के माध्यम से अपना रास्ता बना रहा था, मैं अभी जहां हूं, वहीं होने का सपना देख रहा था।

सपना चौधरी पर भी चढ़ा पुष्पा का खुमार

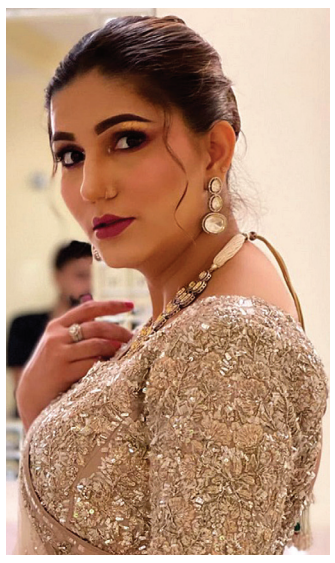

मशहूर डांसर और बिग बॉस की कंटेस्टेंट रह चुकी सपना चौधरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह आए दिन कभी अपने लेटेस्ट फोटोशूट तो कभी डांस वीडियो से लोगों को इम्प्रेस करती रहती है। अब हाल ही में सपना ने साउथ स्टार अल्लू अर्जुन की सुपरहिट मूवी पुष्पा के फेमस डायलॉग को रीक्रिएट किया, जिसका वीडियो उन्होंन सोशल मीडिया पर शेयर कर लोगों का दिल जीत लिया। इस पर उनके फैंस के जमकर रिएक्शन सामने आ रहे हैं। सपना ने ये वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है, जिसमें वो फिल्म के फेसम डायलॉग पुष्पा नाम सुनके फ्लावर समझी क्या... फायर है मैं... झुकुंगा नहीं को अल्लू के तरीके से बोल रही हैं। इसमें उनके एक्सप्रेशंस भी कमाल के हैं। वीडियो में सपना चौधरी मैरून सूट में गजब की खूबसूरत लग रही हैं। फैंस को सपना का पुष्पा वाला ये अंदाज काफी पसंद आ रहा है और वे कमेंट कर इस पर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं।

सुकून की तलाश में ब्रह्मकुमारी आश्रम पहुंची शहनाज

बिग बॉस 13 फेम शहनाज गिल अपने खास दोस्त सिद्धार्थ शुक्ला के निधन के बाद टूट गई थीं। उन्हें हर किसी से दूरी बना ली थी लेकिन अब धीरे–धीरे वह अपनी नॉर्मल लाइफ लौट रही हैं। हाल ही में शहनाज सकून की तलाश में आश्रम पहुंची। इस दौरान की कई तस्वीरें शहनाज ने इंस्टा अकाउंट पर शेयर की हैं। खबरें हैं शहनाज 20 जनवरी को ब्रह्मकुमारी आश्रम लोखंडवाला पहुंची थी। इसी आश्रम से दिवंगत एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला और उनकी फैमिली भी जुड़ी है। शेयर की तस्वीरों की बात करें तो उनसे शहनाज तो नहीं दिख रहीं लेकिन उन्होंने आश्रम के अंदर की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। दिवंगत सिद्धार्थ शुक्ला और उनका परिवार ब्रह्माकुमारियों के दृढ़ विश्वासी हैं। इस महीने की शुरुआत में ही शहनाज ने बहन बीके शिवानी से बात की थी। शहनाज गिल वीडियो में बी.के.शिवानी के साथ सिद्धार्थ शुक्लासे जुड़ी यादें शेयर की है। शहनाज गिल कह रही हैं– मैं सिद्धार्थ से हमेशा कहती थीं कि मुझे शिवानी बहन मुझे बहुत अच्छी लगती हैं। मुझे उनसे बात करनी है। वह मुझसे कहते थे कि पक्का, पक्का करें। तू चिल करें। मैंने दो साल में बहुत कुछ सीखा। मैं हर चीज को बहुत मजबूती के साथ हैंडल कर सकती हूं। शहनाज ने कहाथा– सिद्धार्थ ने 2 सालों में उन्हें बहुत कुछ सिखाया। किसी न किसा का कोई न कोई चला ही जाता है। हमें हमेशा ये नहीं सोचना चाहिए कि हमें और रहना था। अभी मेरा ये नहीं पूरा हुआ.. मैं भी पहले बॉडी कॉन्शियस ज्यादा थी, लेकिन अब मैं सोल (आत्मा) कॉन्शियस हूं। मैं हमेशा ये सोचती हूं कि उस आत्मा ने मुझे इतना ज्ञान दिया। मैं ना समझ थी। लोगों को समझ नहीं पा रही थी। सब पर भरोसा करती थी, लेकिन उस आत्मा ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। शहनाज गिल ने कहा था–हमारा सफर अभी जारी है, उनका सफर पूरा हो चुका है। उनका कपड़ा बदल हो चुका है लेकिन, वो कही न कही आ चुके हैं। उनकी शक्ल बदल गई है लेकिन वो दोबारा इस रूप में आ चुके हैं। उनका अकाउंट मेरे साथ अभी के लिए बंद हो गया है। फिर शायद कभी जारी होगा। मैं यही मानती हूं कि जैसे फिल्म में हीरो की एंट्री के बाद लिखा आता है नाम टू बी कंटीन्यू ठीक उसी तरह हैप्पी एडिंग होगी कभी ना कभी। काम की बात करें शहनाज का हाल ही में यूट्यूबर यशराज मुखाटे के साथ एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में श ढोलक और गिटार बजाते नजर आ रहे हैं तो वहीं शहनाज को यह कहते हुए सुना जा सकता है– सचा बोरिंग डे, सचा बोरिंग पीपल। आरती की बात पर शहनाज जवाब देती हैं, जा दफा हो जा. मर जाके बाहर। बस यशराज अपने नए वीडियो में शहनाज की इन्हीं क्यूट बातों से खेलते दिखे हैं।

बम्पर में मुख्य भूमिका निभाएंगी शिवानी नारायणन

बिग बॉस तमिल की प्रतियोगी और अभिनेत्री शिवानी नारायणन को निर्देशक सेल्वाकुमार की बम्पर की नायिका के रूप में चुना गया है। फिल्म में अभिनेता वेत्री मुख्य भूमिका में हैं। केरल बंपर लॉटरी पर आधारित तमिल फिल्म में अभिनेता थंगादुरई भी एक दिलचस्प भूमिका में होंगे। यूनिट के करीबी सूत्रों का कहना है कि टीम ने केरल सरकार से जरूरी अनुमति लेकर पेरूवाझी पाथाई रूट पर पहले शेड्यूल की शूटिंग कर ली है। निर्देशक सेल्वाकुमार ने कहा कि केरल बंपर लॉटरी इस फिल्म की पृष्ठभूमि है। वेत्री नायक की भूमिका निभा रहे हैं, और अभिनेता हरीश पेराडी एक बहुत ही महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। नेदुनलवादाई, एमजीआर मगन, आलम्बाना और कदामैयै सेई जैसी फिल्मों में काम कर चुके विनोथ रथिनासामी फिल्म के छायाकार हैं। सूत्रों ने कहा अगला शेड्यूल जल्द ही शुरू होगा, और शूटिंग फरवरी में पूरी की जाएगी। गोविंद वसंता ने बम्पर के लिए संगीत दिया है, जिसे वेथा पिक्चर्स के लिए एस त्यागराज द्वारा निर्मित किया गया है।

चुनौतीपूर्ण भूमिका करना चाहती हैं वाणी कपूर

बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर ने साल 2013 यशराज फिल्म्स की रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म शुद्ध देसी रोमांस से डेब्यू किया था। अपने बॉलीवुड करियर में वाणी ने अब तक केवल 5 फिल्मों में काम किया है। वाणी हाल ही में आयुष्मान खुराना संग चंडीगढ़ करे आशिकी में नजर आई हैं। फिल्म चंडीगढ़ करे आशिकी में आयुष्मान ने जिम और फिटनेस ट्रेनर और क्रॉस–फंक्शनल एथलीट की भूमिका निभाई है, वहीं वाणी कपूर ने ट्रांस गर्ल का किरदार निभाया है। वाणी फिल्म में अपने किरदार को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। वाणी ने बताया है कि चंडीगढ़ करे आशिकी में उनके काम ने उनकी काबिलियत को फिल्म निर्माताओं के आगे साबित कर दिया है। वाणी कपूर ने कहा, चंडीगढ़ करे आशिकी में अपने किरदार से मैंने अपनी रेंज को दिखाया है। मैं केवल ये उम्मीद कर सकती हूं कि अब फिल्म निर्माण बेहद आत्मविश्वास महसूस करेंगे और किसी भी चुनौतीपूर्ण भूमिका के लिए मुझसे संपर्क करें। मैं चाहती हूं कि मेरी फिल्मोग्राफी कई प्रकार के किरदारों से भरी हो। उन्होंने कहा, मैं दिलचस्प फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हूं। मुझे पता है कि मैं किसी भी किरदार को निभाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दूंगी। जिसको निभाने के लिए मुझसे संपर्क किया जाएगा। मैं चाहती हूं कि मेरी सिनेमा जर्नी में विविध फिल्में और किरदार शामिल हो जो फैंस का स्क्रीन पर मनोरंजन करते हैं।

परिणीति उन निर्देशकों की आभारी हैं जिन्होंने उनके शिल्प को निखारने में मदद की

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्होंने उन फिल्म निर्माताओं के साथ काम किया है, जिन्होंने उनका प्रदर्शन और उनके शिल्प को निखारने में मदद की है। उनकी राय में, ऐसे लोगों के साथ सहयोग करना महत्वपूर्ण है, जो एक कलाकार को बेहतर करने के लिए प्रेरित करते हैं। परिणीति कहती हैं, मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे भारतीय सिनेमा में कुछ बेहतरीन सिनेमाई प्रतिभाओं द्वारा निर्देशित किया गया है। इस तरह के अनुभवों ने मुझे समृद्ध किया है और मुझे एक बेहतर कलाकार बनाया है। एक अभिनेता के रूप में, किसी को लगातार विकसित होने और ऐसे लोगों के साथ सहयोग करने की आवश्यकता है जो आपको उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित कर सकता है। वह आगे कहती हैं कि आदित्य चोपड़ा द्वारा तैयार किए जाने से लेकर रोहित शेट्टी (गोलमाल अगेन), मनीष शर्मा (शुद्ध देसी रोमांस), दिबाकर बनर्जी (संदीप और पिंकी फरार), अमोल गुप्ते (साइना), हबीब फैसल (इश्कजादे), विनील मैथ्यू (हंसी तो फंसी), अनुराग सिंह (केसरी), रिभु दासगुप्ता (द गर्ल ऑन द ट्रेन), जैसे फिल्म निर्माताओं के साथ काम करना, मेरे करियर की इससे अच्छी यात्रा नहीं हो सकती है। इस साल, अभिनेत्री संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल में रणबीर कपूर और सूरज बड़जात्या की उंचाई में वह अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर और बोमन ईरानी के साथ दिखाई देंगी।

लवीना और पलक की शार्ट फिल्म में एंट्री

टेलीविज़न की दुनिया मे अपना नाम बना चुकी और अपने काम से सुर्खिया बटोर चुकी एक्ट्रेसेस लवीना टंडन और पलक पुरसवानी अब टीवी की दुनिया से एक कदम और आगे रख चुकी हैं। टेलीविज़न पर अलग–अलग किरदार निभा चुकी ये अदाकारा अब शार्ट फिल्म में कमाल कर रही हैं। पहली बार शार्ट फिल्म रूम मैट्स में ये दोनों एक साथ दिखाई दे रही हैं। जहा पर इन दोनो की मस्ती और खटपिट वाली केमिस्ट्री दिखाई देगी। शार्ट फिल्म में दिखाया गया हैं जहां पलक, लवीना को हर काम मे रोकटोंक करती है तो वही पलक की बातों से तंग आई, लवीना एक दिन पलक को ऐसा जवाब देती है कि पलक को दिन में तारें नजर आ जाते हैं। हालांकि हर पल को बड़ी ही खूबसूरती से पेश किया गया हैं। प्रोडक्शन हाउस मेड इन इंडिया और स्काई 247 के द्वारा बनी इस शार्ट फिल्म की डायरेक्टर हैं रोशन गैरी भिंदर और राइटर हैं सौम्या श्रीनाथ। शॉर्ट फिल्म के प्रोड्यूसर संतोष गुप्ता है। बात करे एक्ट्रेस लवीना टंडन तो वो जोधा अकबर, नागिन, बालवीर, प्यार तूने क्या किया जैसे तमाम बड़े टीवी सीरियल्स में अपने हुनर का परचम लहरा चुकी हैं। वही पलक पुरसवानी की बात करे तो वो स्पिलट्स विला 7 की मजबूत दावेदार थीं साथ ही सीरियल बड़ी देवरानी, ये रिश्ते हैं प्यार के और मेरी हानिकारक बीवी में काम कर चुकी हैं।

मीरा जैस्मिन ने इंस्टाग्राम पर की एंट्री

चेन्नई। पर्दे पर यादगार किरदारों में जान फूंकने वाली एक्ट्रेस मीरा जैस्मीन ने आखिरकार सोशल मीडिया पर अपनी मौजूदगी का ऐलान कर दिया है। अभिनेत्री ने बुधवार को अपना इंस्टाग्राम अकाउंट खोला और निर्देशक साथियान अंतिकाड की मलयालम फिल्म मकाल से एक वर्किंग स्टिल पोस्ट की। मीरा ने फिल्म में जयराम के साथ जूलियट की मुख्य भूमिका निभाई है, जिसकी शूटिंग हाल ही में पूरी हुई है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री, जिन्होंने तमिल और मलयालम दोनों फिल्मों में कई यादगार प्रदर्शन किए हैं, एक दशक से अधिक समय तक सुर्खियों से दूर रहीं है। अपनी पहली पोस्ट में मीरा जैस्मिन ने कहा, चलो हमेशा शुरूआत करें। कभी–कभी, यह सब कुछ होने के बारे में नहीं, बल्कि बदलाव के बारे में होता है। इस कदम को उठाकर खुशी हुई जो हम सभी को एक–दूसरे के करीब लाएगा। सभी को प्यार। इंस्टाग्राम से जुड़ने के एक दिन के भीतर ही उनके फॉलोअर्स की संख्या बढ़कर 95,000 हो गई है। उद्योग और बाहर दोनों जगह कई हस्तियों ने मंच पर मीरा का स्वागत किया और उन्हें अपना प्यार और शुभकामनाएं दीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

आईएसआईएस की हो रही है फिर से वापसी, आतंकियों ने सीरिया और इराक में किए हमले

बगदाद। इस्लामिक स्टेट (आईएस) संगठन ने सीरिया में तीन वर्ष पहले अपना 'किला' ढहने के बाद से देश पर सबसे बड़ा हमला किया है। 100 से अधिक आतंकवादियों ने संदिग्ध चरमपंथियों को कैद कर रखने वाली मुख्य जेल पर हमला किया जिससे अमेरिका समर्थित कुर्द लड़ाकों के साथ लड़ाई छिड़ गई जो 24 घंटे बाद भी जारी रही और शुक्रवार को कई लोगों की मौत हो गई। इराक में सीमा के उस पार, बंदूकधारियों ने शुक्रवार की सुबह से पहले बगदाद के उत्तर में सेना की बैरक पर धावा बोल दिया, जब अंदरसैनिक सोए हुए थे। भागने से पहले उन्होंने 11 सैनिकों की जान ले ली। इराक की सेना पर हुआ यह कई महीनों में सबसे घातक हमला था। भीषण हमले दिखाते हैं कि पिछले कुछ वर्षों से इराक और सीरिया में निचले स्तर पर चरमपंथ बनाए रखने के बाद आतंकवादियों ने खुद को फिर से संगठित किया है। इराक और सीरिया में संगठन के क्षेत्रीय नियंत्रण को एक साल के अमेरिका समर्थित अभियान द्वारा कुचल दिया गया था, लेकिन इसके लड़ाकों ने ह्यस्लीपर सेल' के साथ चरमपंथ जारी रखा, जिसने पिछले कुछ महीनों में सैकड़ों इराकियों और सीरियाई लोगों की तेजी से हत्या की है। सीरिया में हुए हमले में उत्तरपूर्वी शहर हसाकेह में ग्वेरान जेल को निशाना बनाया गया, जो अमेरिका समर्थित सीरियाई कुर्द बलों द्वारा संचालित लगभग एक दर्जन जेलों में से सबसे बड़ी है, जिसमें संदिग्ध आईएस लड़ाके कैद हैं। कुर्द नीत सीरियाई लोकतांत्रिक बलों (एसडीएफ) के प्रवक्ता, फरहाद शमी ने बताया कि ग्वेरान में आईएस कमांडर और सबसे खतरनाक माने जाने वाले कुख्यात अपराधियों सहित पांच हजार लोग कैद थे। बलों के कमांडर मजलूम अबादी ने कहा कि आईएस ने जेल तोड़ने के लिए 'अपने ज्यादातर स्लीपर सेलह्व को जुटाया। संघर्ष में सैकड़ों लोगों के मारे जाने की खबर है।

टीचर ने 11 साल की नाबालिग को लैंगिक पहचान बदलने का दिया दबाव, स्कूल के खिलाफ दर्ज हुआ मामला

लॉस एंजिलिस। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में एक महिला ने एक स्कूल के अध्यापकों पर आरोप लगाया कि उन्होंने उसकी 11 वर्षीय बेटी को अपनी लैंगिक पहचान और नाम को बदलने के लिए बहकाया। महिला ने इस मामले में स्कूल के खिलाफ मामला भी दर्ज किया है। एक रूढ़ीवादी कानूनी समूह 'सेंटर फोर अमेरिकन लिबर्टी' द्वारा बुधवार को दायर मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि सालिनास वेली स्थित 'स्प्रैकेल्स यूनियन स्कूल डिस्ट्रिक्ट' उस 'निर्मम व्यवहार' के लिए जिम्मेदार है, जिसके कारण छात्रा स्वयं को एक लड़के की तरह पहचानने की राह पर आगे बढ़ी तथा इस वजह से उसके और उसकी मां के बीच टकराव पैदा हुए। जेसिका कोनेन ने कहा कि जब उसकी बेटी छठी कक्षा में थी, तब स्कूल के 'इक्वेलिटी क्लब' को चलाने वाले दो शिक्षकों ने उसकी बेटी के मन में इस बात के बीज बोए, कि वह उभयलिंगी (बाइसेक्सुअल) है और बाद में उसे समझाया गया कि वह ट्रांसजेंडर है। 'इक्वेलिटी क्लब' को 'यू बी यू' के नाम से भी जाना जाता है। कोनेन की शिकायत है कि उसे स्कूल ने क्लब में उसकी बेटी की भागीदारी, उसे अध्यापकों द्वारा मुहैया कराए जा रहे साहित्य और प्रशासकों द्वारा तैयार की गई 'लैंगिक समर्थन योजना' के बारे में अंधेरे में रखा। कोनेन ने कहा कि जब स्कूल ने उन्हें अचानक बताया कि उनकी बेटी स्वयं को उभयलिंगी समझती है, तो उन्हें समझ नहीं आया कि उन्हें क्या करना चाहिए तथा उन्होंने स्कूल को उनकी बेटी के लिए लड़के का नाम इस्तेमाल करने की अनुमति दे दी और सहयोग करने की कोशिश की, लेकिन यह मुश्किल था। उसने कहा कि जब मार्च 2020 में महामारी के दौरान ऑनलाइन पढ़ाई शुरू हुई और उनकी बेटी फिर से पहले की तरह महसूस करने लगी और उसने अपने जन्म के नाम का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। कोनेन ने कहा कि उनकी बेटी अब भी दुविधा से जूझ रही है, लेकिन अब उसे ह्यहलगता है कि वह सांस ले सकती है और उस पर दबाव नहीं है।

शीर्ष अदालत के फैसले के बाद संसदीय समिति ने ट्रंप संबंधी दस्तावेज प्राप्त किए

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रीय अभिलेखागार और रिकॉर्ड प्रशासन ने प्रतिनिधि सभा की एक समिति को राष्ट्रपति से संबंधित 700 से अधिक पन्नों के दस्तावेज उपलब्ध कराए हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इन दस्तावेजों को जारी करने से रोकने की कोशिश को देश की शीर्ष अदालत द्वारा खारिज किए जाने के बाद समिति तक ये कागजात पहुंचाए गए हैं। इस घटनाक्रम से अवगत एक अधिकारी ने बताया कि छह जनवरी, 2021 को अमेरिकी संसद भवन ह्यकैपिटलह्व में हुए दंगे की जांच कर रही सदन की समिति को बृहस्पतिवार शाम को ये दस्तावेज प्राप्त हुए। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को फैसला दिया कि अभिलेखागार दस्तावेजों को साझा कर सकता है, जिसमें राष्ट्रपति की डायरी, आगंतुक सूची, मसौदा भाषण और पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ मार्क मीडोज की फाइलों से छह जनवरी से संबंधित हस्तलिखित नोट्स शामिल हैं। ट्रंप के वकीलों को अदालत में मामला लंबा खिंचने और दस्तावेजों को रोक कर रखने की उम्मीद की थी। जांच आयोग ने इन दस्तावेजों के लिए पहली बार अगस्त में अनुरोध किया था और अब ये उन हजारों दस्तावेजों के साथ जुड़ जाएंगे जो आयोग ने पहले से ही एकत्र कर लिए हैं। आयोग ट्रंप समर्थकों की हिंसक भीड़ के हमले की जांच के साथ-साथ यह भी गौर कर रहा है कि पूर्व राष्ट्रपति और उनके सहयोगी हमले के वक्त क्या कर रहे थे।

इस बीमारी के कारण बर्बाद हो रही महिलाओं की जिंदगी

नई दिल्ली। ऑब्स्टेट्रिक फिस्टुला एक ऐसी बीमारी बन गई है जिसकी वजह से महिलाओं की जिंदगी नर्क से भी बदतर हो रही है. इससे पीड़ित महिलाओं को तलाक, सामाजिक बहिष्कार और भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है.रेहाना कादिर दाद की उम्र 30 साल है. वह अपनी पढ़ाई पूरी कर पसंद की नौकरी करना चाहती थीं. हालांकि, तीसरे बच्चे के जन्म के दौरान ऑब्स्टेट्रिक फिस्टुला (प्रसूति नालव्रण) बनने की वजह से वह अपने सपनों को पूरा नहीं कर सकीं. दाद, पाकिस्तान के दक्षिणी सिंध प्रांत स्थित घोटकी के अली माहेर गांव की रहने वाली हैं. वह उन हजारों महिलाओं में से एक हैं जो ऑब्स्टेट्रिक फिस्टुला बनने से पीड़ित हुई हैं. यह एक वजायनल इंजरी है जो प्रसव के दौरान हो जाती है. इस इंजुरी की वजह से महिलाओं में योनी के जरिए पेशाब व मल लीक होने की समस्या हो सकती है. इससे उन्हें शर्मिंदगी, स्वास्थ्य समस्याएं, सामाजिक अलगाव का सामना करना पड़ता है. आमतौर पर यह समस्या लंबे प्रसव या प्रसव में दिक्कत आने के दौरान यूरिनरी ट्रैक्ट या गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट और जेनिटल ट्रैक्ट के बीच असमान्य गतिविधियों के कारण होती है. हालांकि इसका पूरी तरह इलाज संभव है. यह दर्द महिलाओं को सिर्फ शारीरिक रूप से ही प्रभावित नहीं करता बल्कि उन्हें परिवार और समाज से भी अलग कर देता है. पाकिस्तान में ऐसी महिलाओं को उनके घरों से निकाल दिया जाता है या सामाजिक रूप से बहिष्कृत कर दिया जाता है. शादी बना ह्यबुरा सपना' पढ़ने की चाह रखने और अपनी जिंदगी में कुछ बड़ा करने का सपना संजोये दाद की शादी 2012 में कर दी गई थी. उन्होंने डॉयचे वेले को बताया कि आमतौर पर किसी की शादी उसकी जिंदगी में खुशी का सबसे बड़ा पल होता है, लेकिन उनके लिए यह ह्यबुरा सपना' साबित हुआ.

क्या है भारतीय सेना का ऑपरेशन स्नो लेपर्ड जो चीन के खिलाफ अब भी जारी है

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय सेना के उत्तरी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल वाई के जोशी ने कहा है कि सेना किसी भी घटना से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने बताया है कि ऑपरेशन स्नो लेपर्ड अब भी जारी है। जोशी जनरल ऑफिसर, कमांडिंग-इन-चीफ, जम्मू और कश्मीर में अपने मुख्यालय में उत्तरी कमान के अलंकरण समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कमान व्यवस्था में 'असाधारण' और 'उत्कृष्ट' प्रदर्शन के लिए 40 इकाइयों को जीओसी-इन-सी की प्रशस्ति और 26 इकाइयों को जीओसी-इन-सी का 'प्रशस्ति प्रमाण-पत्र' दिया।

ऑपरेशन स्नो लेपर्ड कब शुरू हुआ था?

ऑपरेशन मेघदूत, ऑपरेशन रक्षक, ऑपरेशन नॉर्दर्न बॉर्डर्स और कमान में अन्य अभियानों में इकाइयों के प्रदर्शन के लिए जीओसी-इन-सी का प्रशस्ति पत्र दिया गया। ऑपरेशन 'स्नो लेपर्ड' में इकाइयों के प्रदर्शन के लिए जीओसी-इन-सी के प्रशस्ति प्रमाण-पत्र दिए गए। यह अभियान चीन द्वारा पूर्वी लद्दाख में वापस जाने और यथास्थिति बहाल करने से इनकार करने के बाद शुरू किया गया था।

सैन्य कमांडर ने अपने संबोधन में कहा, 'जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दोनों केंद्र शासित प्रदेशों का महत्व भली भांति ज्ञात है और हमने इस क्षेत्र की सुरक्षा के संबंध में पूरे समर्पण से हमारी भूमिका निभाई है और हमारा पूरा वर्चस्व बरकरार रखा है चाहे वह नियंत्रण रेखा (एलओसी) हो, वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी), वास्तविक जमीनी स्थिति रेखा (एजीपीएल) या फिर अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) हो।' उन्होंने कहा कि उत्तरी कमान के बहादुर सैनिकों ने दुश्मन के आक्रामक मंसूबों को नाकाम कर दिया। चीनी आक्रामकता के मद्देनजर लद्दाख में घटनाक्रमों का संदर्भ देते हुए, उन्होंने कहा कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के साथ टकराव वाले स्थानों से पीछे हटने का कार्य कई इलाकों से शांतिपूर्ण तरीके से पूरा कर लिया गया है और वार्ता के जरिए अन्य इलाकों से पीछे हटने के प्रयास जारी हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि बर्फ से ढकी चोटियों में सैनिक पूरी तरह चौकन्ने हैं।

कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ की कोशिशें जारी

ऑपरेशन रक्षक के तहत चलाए गए आतंकवाद रोधी अभियान पर उन्होंने कहा कि कश्मीर के लोगों ने आतंकवाद, अलगाववाद और बंदूक संस्कृति को खारिज कर दिया है और कई वर्षों के बाद घाटी में आतंकवादियों की संख्या 200 से नीचे चली गई है जो एक 'बड़ी उपलब्धि' है। जोशी ने कहा, 'एलओसी पर संघर्ष विराम ने सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासियों को राहत प्रदान की है। लेकिन आतंकियों की घुसपैठ की कोशिशें जारी हैं, जिन्हें हमारे सतर्क सुरक्षाकर्मी नाकाम कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों के लिए 2021 को शनिवार को ऐतिहासिक साल बताया जब सैनिकों ने एलओसी और एलएसी में आक्रामक मंसूबों के खिलाफ खड़े होने में साहस दिखाया। लेफ्टिनेंट जनरल ने कहा है कि सुरक्षा बलों और जम्मू-कश्मीर के लोगों के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप आतंकवाद संबंधित घटनाओं, पथराव गतिविधियों और विरोध प्रदर्शनों में कमी आई है।

संरा सुरक्षा परिषद ने अबू धाबी में आतंकवादी हमले में दो भारतीयों की मृत्यु पर संवेदना जताई

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अबू धाबी में उस 'जघन्य' आतंकी हमलों की शुक्रवार को कड़ी निंदा की जिसमें दो भारतीय और एक पाकिस्तानी नागरिक की मौत हो गई थी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने साथ ही मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना भी जतायी। 17 जनवरी की सुबह, हूती विद्रोहियों ने अबूधाबी में हवाई अड्डे के क्षेत्र को निशाना बनाया था। हमलों के चलते तीन पेट्रोलियम टैंकरों में विस्फोट हुआ था, जिसमें दो भारतीयों और एक पाकिस्तानी नागरिक की मौत हो गई और छह अन्य नागरिक घायल हो गए थे। यूएई मिशन के एक बयान में कहा गया था, 'हूतियों ने हमलों की जिम्मेदारी ली है।' 15 देशों की परिषद द्वारा जारी एक प्रेस बयान में, संयुक्त राष्ट्र की शक्तिशाली इकाई ने 17 जनवरी को अबू धाबी में और साथ ही सऊदी अरब के अन्य स्थलों पर जघन्य आतंकवादी हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की। बयान में कहा गया है, 'सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने हूती हमलों के पीड़ितों के परिवारों और भारत एवं पाकिस्तान की सरकारों के प्रति अपनी गहरी सहानुभूति और संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की।' परिषद के सदस्यों ने फिर से दोहराया कि आतंकवाद अपने सभी रूपों और स्वरूपों में अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने एक ट्वीट में कहा कि यूएनएससी का बयान 'इस जघन्य आतंकवादी हमले को खत्म करने की हमारी सामूहिक इच्छा की पुष्टि करता है, जिसमें दो भारतीयों ने दुखद रूप से अपनी जान गंवा दी।' उन्होंने कहा, 'जैसा कि विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात के अपने समकक्ष को बताया, भारत इस आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करता है।' बुधवार को मध्य पूर्व पर एक सुरक्षा परिषद की खुली बहस में, तिरुमूर्ति ने अबू धाबी में हुए आतंकवादी हमलों की कड़ी निंदा की।

यूएन महासचिव ने कश्मीर मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान की जताई उम्मीद, भारत ने दिया यह जवाब

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने उम्मीद जताई है कि भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर मुद्दे का शांतिपूर्ण तरीके से समाधान हो सकता है। गुतारेस ने शुक्रवार को कहा, 'संयुक्त राष्ट्र का रुख और (उक्त विषय पर) लिये गये संकल्प एक समान हैं। जैसा कि आप जानते हैं, हमारा वहां एक शांति रक्षक अभियान है। हम, बेशक प्रतिबद्ध हैं।' उन्होंने कहा, 'मैंने कई बार अपनी ओर से सहयोग की पेशकश की है और हमें उम्मीद है कि यह कुछ ऐसी चीज है, जिसका शांतिपूर्ण तरीके से समाधान किया जा सकता है और कश्मीर में ऐसी स्थिति है, जिसमें मानवाधिकारों का सम्मान किया जाता है तथा जिसमें लोग शांति एवं सुरक्षा के साथ रह सकते हैं। 'गुतारेस यहां संवाददाता सम्मेलन के दौरान कश्मीर मुद्दे पर एक पाकिस्तानी पत्रकार के सवाल का जवाब दे रहे थे।

उल्लेखनीय है कि नयी दिल्ली ने कश्मीर मुद्दे पर भारत और पाकिस्तान के बीच किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि दशकों से भारत का रुख स्पष्ट रहा है और दोनों देश मुद्दे पर द्विपक्षीय तरीके से चर्चा कर सकते हैं। गुतारेस ने अगस्त 2019 में एक बयान में, भारत और पाकिस्तान के बीच 1972 के द्विपक्षीय समझौते को याद किया था, जिसे शिमला समझौता के तौर पर जाना जाता है। इस समझौते पर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति जुल्फिकार अली भुट्टो ने 1972 में हस्ताक्षर किया था तथा यह कश्मीर मुद्दे पर किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को खारिज करता है। नयी दिल्ली ने इस्लामाबाद से बार-बार कहा है कि जम्मू कश्मीर भारत का ह्यअभिन्न हिस्सा था, है और सदा रहेगा।' भारत ने पाकिस्तान से यह भी कहा है कि वह आतंक, शत्रुता और हिंसा मुक्त माहौल में उसके साथ सामान्य पड़ोसी संबंध की आकांक्षा रखता है।

हूती विद्रोहियों के खिलाफ सऊदी सेना की बड़ी एयरस्ट्राइक, हमले में 80 लोगों की मौत

काहिरा। (एजेंसी)

यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा संचालित एक जेल पर सऊदी अरब नीत सैन्य गठबंधन के हवाई हमले में मरने वालों की संख्या कम से कम 80 हो गई है। विद्रोहियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। शुक्रवार को हुआ हवाई हमला एक बड़े हवाई और जमीनी हमले का हिस्सा था जिसने यमन के वर्षों से जारी गृह युद्ध में वृद्धि को चिन्हित किया। यह संघर्ष अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार एवं सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा सहायता प्राप्त सरकार और ईरान समर्थित विद्रोहियों के बीच है। हूती विद्रोहियों के मीडिया कार्यालय ने मृतक संख्या की जानकारी देते हुए कहा कि बचाव दल अब भी सऊदी अरब के साथ सीमा पर उत्तरी प्रांत सादा में जेल स्थल के मलबे में जीवित बचे लोगों और शवों की तलाश कर रहे हैं।

'डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' धर्मार्थ संस्था ने कहा कि हवाई हमले में लगभग 200 लोग घायल हुए हैं। युद्ध के सबसे घातक हमलों में से एक, हवाई हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय सहायता एवं अधिकार समूहों ने गठबंधन की फिर से आलोचना की। सऊदी गठबंधन के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल तुर्क अल-मल्की ने आरोप लगाया कि हूती विद्रोहियों ने इस जगह को संयुक्त राष्ट्र या रेड क्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति के समक्ष हवाई हमलों से सुरक्षा की जरूरत वाली जगह के तौर पर चिन्हित करते हुए इसकी सूचना नहीं दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा करने में हूतियों की विफलता संघर्ष में मिलिशिया के सामान्य भ्रामक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती है।

आतंकी हमले में मारे गए और घायल हुए चीनी पीड़ितों को मुआवजा देगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

पाकिस्तान ने अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पिछले साल एक आतंकवादी हमले में हताहत हुए एक बड़ी पनबिजली परियोजना में कार्यरत 36 चीनी नागरिकों को मुआवजे के तौर पर एक करोड़ 16 लाख डॉलर देने की घोषणा की है। मुआवजे की राशि के संबंध में मंत्रिमंडल की आर्थिक समन्वय समिति (ईसीसी) ने शुक्रवार को फैसला किया। वित्त मंत्रालय के बयान के अनुसार, 'ईसीसी ने विचार विमर्श करने और चीन के साथ हमारे संबंधों की गहराई को ध्यान में रख कर सद्भावना के तहत कदम उठाते हुए सरकारी स्तर पर एक करोड़ 16 लाख डॉलर के भुगतान के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।' उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान के पर्वतीय क्षेत्र में पिछले साल 13 जुलाई को विनिर्माण कामगारों को ले जा रही बस पर हुए आत्मघाती हमले में 10 चीनी नागरिकों की मौत हो गई थी और 26 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। यह हमला खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अपर कोहिस्तान जिले के दसू इलाके में हुआ था, जहां चीनी इंजीनियर और निर्माण श्रमिक एक बांध बनाने में मदद कर रहे थे। इस परियोजना का निर्माण विश्व बैंक की वित्तीय मदद से चाइना गेझोउबा कंपनी कर रही है और यह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का हिस्सा नहीं है। चीनी कंपनी ने मुआवजे का मामला सुलझने तक स्थल पर अपनी गतिविधियां रोक दी थीं। पाकिस्तान ने इस सप्ताह की शुरूआत में मुआवजा देने की घोषणा की, जिसके बाद कंपनी ने बृहस्पतिवार को काम बहाल किया। नकदी की समस्या से जूझ रहा पाकिस्तान चीनी नागरिकों को मुआवजा देने पर सहमत हो गया है, जबकि वह ऐसा करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य नहीं है। इसके अलावा यह रकम चीन में इसी प्रकार के हमलों में जान गंवाने वाले नागरिकों को आमतौर पर दी जाने वाली राशि से दोगुनी है। पाकिस्तानी मीडिया ने इस सप्ताह की शुरूआत में कहा था कि मुआवजे का भुगतान करने का स्पष्ट उद्देश्य पाकिस्तान-चीन द्विपक्षीय संबंधों में एक बड़ी अड़चन को दूर करना है। इस हमले में चार पाकिस्तानी नागरिकों की भी मौत हुई थी, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उनके परिवारों को भी मुआवजा दिया जाएगा या नहीं।

चीन ने निलंबित की फ्लाइट्स तो अमेरिका ने ऐसे लिया बदला, 30 जनवरी से लागू होगा बड़ा फैसला

बीजिंग (एजेंसी)

चीन द्वारा अमेरिकी विमानन कंपनियों की उड़ानों को रद्द किए जाने का दबाव बनाए जाने के जवाब में अमेरिका ने 44 चीनी यात्री उड़ानों को निलंबित कर दिया है। अमेरिकी परिवहन विभाग के आदेश से चीन की चार विमानन कंपनियां प्रभावित होंगी। इससे कोविड-19 संबंधी प्रतिबंधों को लेकर दोनों देशों के बीच चल रहा पुराना विवाद और बढ़ गया है। चीन ने डेल्टा एयरलाइंस, यूनाइटेड एयरलाइंस और अमेरिकन एयरलाइंस के कुछ यात्रियों के वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद इन विमानन कंपनियों की उड़ानों के देश में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया।

चीन ने लिया था ये फैसला

चीन के विमानन प्राधिकरण ने अमेरिकी की 10, डेल्टा की 14 और यूनाइटेड एयरलाइंस की 20 फ्लाइट्स को रद्द करने के लिए सर्किट ब्रेकर नीति का इस्तेमाल किया। जब टेकऑफ से पहले कोविड के लिए निगेटिव परीक्षण करने वाले यात्रियों ने बाद में चीन पहुंचने के बाद रिपोर्ट पॉजिटिव आई। वॉशिंगटन में चीनी दूतावास के प्रवक्ता लियू पेंग्यू का कहना है कि चीन जाने वाली सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए पॉलिसी एक बराबर है।

अमेरिका ने की जवाबी कार्रवाई

अमेरिका ने कहा है कि चीन के कदमों ने किसी अन्य देश की विमानन कंपनियों की हर देश में पहुंच संबंधी संधि का उल्लंघन किया है। परिवहन विभाग ने कहा कि चीन का अमेरिकी विमानन कंपनियों की 44 उड़ान बाधित करने का फैसला 'जनहित के विरुद्ध है और इसके खिलाफ विभाग को समान अनुपात में जवाबी कार्रवाई करने की आवश्यकता है।' अमेरिकी आदेश के तहत 30 जनवरी से 29 मार्च के बीच एयर चाइना, चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस, चाइना सदर्न एयरलाइंस और शियामेन एयरलाइंस की 44 उड़ान रद्द की जाएंगी।

शीत युद्ध की तुलना में दुनिया इस समय अधिक अप्रत्याशित है: संयुक्त राष्ट्र प्रमुख

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि दुनिया पूर्ववर्ती सोवियत संघ और अमेरिका के बीच हुए शीत युद्ध की तुलना में इस समय 'कहीं अधिक अराजक और अप्रत्याशित' है और यह स्थिति खतरनाक है, क्योंकि संकटों से निपटने के लिए कोई 'साधन' नहीं हैं। गुतारेस ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शीत युद्ध उन दो विरोधी धड़ों के बीच था, जहां संघर्ष को रोकने के लिए स्पष्ट नियम एवं तंत्र थे। उन्होंने कहा, 'यह कभी उतना भीषण नहीं हुआ, क्योंकि कुछ हद तक इसमें स्थितियों का अनुमान लगाया जा सकता था।'

संयुक्त राष्ट्र महासचिव के रूप में दूसरा कार्यकाल आरंभ करने वाले गुतारेस ने द 'एसोसिएटेड प्रेस' के साथ बृहस्पतिवार को साक्षात्कार के दौरान कहा था कि दुनिया कई मायनों में पांच साल पहले की तुलना में बदतर है, क्योंकि कोविड-19 वैश्विक महामारी, जलवायु संकट और भू-राजनीतिक तनाव ने हर जगह संघर्ष को जन्म दिया है, लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के विपरीत उन्हें नहीं लगता कि रूस यूक्रेन पर हमला करेगा। गुतारेस ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए उनका संदेश है कि यूक्रेन में 'कोई सैन्य हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि ऐसा नहीं होगा और मैं उम्मीद करता हूं कि यही बात सही साबित हो।' गुतारेस का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और रूस ने यूक्रेन को लेकर जारी संकट के बीच शुक्रवार को महत्वपूर्ण वार्ता कर तनाव कम करने की कोशिश की। बहरहाल, दोनों देशों के नेताओं ने कहा कि अभी वार्ता के जरिए कोई समाधान नहीं निकला है। गुतारेस ने कहा, 'मेरे लिए यह जरूरी है कि इस वार्ता से स्थिति अच्छी हो और अच्छी स्थिति यह है कि तनाव कम हो और संकट समाप्त हो। यही हमारा उद्देश्य है।'

महासचिव ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दुनिया को अमेरिका और चीन के बीच दो भागों में बांटने से प्रतिद्वंद्वी आर्थिक प्रणालियां एवं नियम विकसित होंगे, जिनकी अपनी प्रमुख मुद्रा होगी, जिनकी अपनी इंटरनेट एवं प्रौद्योगिकी

प्रणाली और कृत्रिम मेधा होगी तथा ऐसा स्थिति से 'हर हाल में' बचा जाना चाहिए। गुतारेस ने महासभा में संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों के राजनयिकों के समक्ष 2022 के लिए अपनी प्राथमिकताएं और वैश्विक परिदृश्य का आकलन पेश करने के बाद संवाददाताओं से बात की। उन्होंने कोविड-19 से निपटने में असमानता एवं अन्याय, 'गरीब विरोधी वैश्विक आर्थिक प्रणाली और मौजूदा जलवायु खतरों पर पर्याप्त कदमों का अभाव जैसी स्थितियों को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से खतरनाक बताया।

पैंगोंग झील पर पुल बना लेने से चीन को क्या फायदा होगा

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में 20 महीने से अधिक से गतिरोध बना हुआ है। दोनों देश लाइन ऑफ कंट्रोल के पास इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने में जुटे हुए हैं। चीन पैंगोंग झील पर भी एक पुल बना रहा है। सैटेलाइट इमेज में इस पुल को देखा गया है। इस पुल को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। कहां बनाया जा रहा है पुल?

चीन पैंगोंग लेक के उत्तरी तट पर करीब 400 मीटर लंबा और 8 मीटर चौड़ा पुल बना रहा है। यहां से लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल बहुत पास है। इस पुल के बन जाए से चीन को तेजी से सेनिकों की तैनाती करने में आसानी होगी। यह पुल फिंगर 8 से करीब 20 किलोमीटर (सड़क मार्ग से 35 किलोमीटर) की दूरी पर है। जहां यह पुल बनाया जा रहा है, वह जमीन भारत की है लेकिन 1958 से चीन के कब्जे में है। पैंगोंग झील करीब 135 किलोमीटर लंबी झील है। इस झील के दो दिहाई हिस्से पर चीन का नियंत्रण है। बनाया जा रहा पुल करीब आधे रास्ते पर है।

इस पुल से चीन को कैसे मदद मिलेगी?

इस पुल के जरिए चीन पैंगोंग झील के दोनों ओर सैनिकों की तैनाती करना चाहती है। कैलाश रेंज से इस पुल की दूरी करीब 35 किलोमीटर है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि जब भारत ने कैलाश रेंज को अपने नियंत्रण में लिया था तो चीनी सैनिकों को वहां बहुत देर से पहुंच सके थे। उन्हें वहां तक पहुंचने के लिए चुशुल के दुर्गम इलाकों से होकर जाना होता था। इस पुल के तैयार होने से चीनी सैनिक 12 घंटे के बदले करीब 4 घंटे में कैलाश रेंज तक पहुंच सकेंगे। रिपोर्ट्स बताती हैं कि कैलाश रेंज पर भारत द्वारा नियंत्रण करने के बाद चीन ने कई नए सड़क बनाए हैं। इस पुल के जरिए चीन बेहतर और तेज कनेक्टिविटी चाहता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

जम्मू कश्मीर के शोपियां में सुरक्षा बलों एवं आतंकवादियों के बीच मुठभेड़

श्रीनगर। 22 जनवरी जम्मू कश्मीर के शोपियां जिले में शनिवार को सुरक्षा बलों एवं आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि जिले के किलबाल इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर कर तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों के जवान जब इलाके में तलाशी अभियान चला रहे थे, उसी दौरान छिपे आतंकवादियों ने उनपर गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गयी। उन्होंने बताया कि अंतिम सूचना मिलने तक गोलीबारी जारी थी।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने 'गोपनीय सैनिक' की हत्या की, वाहनों में लगाई आग

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में नक्सलियों ने एक ह्यगोपनीय सैनिकह्ल की हत्या कर दी। वहीं, एक अन्य घटना में नक्सलियों ने तीन वाहनों में आग लगा दी। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले के बीजापुर थाना क्षेत्र में नक्सलियों ने शुक्रवार को 'गोपनीय सैनिक' एंडो राम (45) की हत्या कर दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि नक्सलियोंने एंडो राम की हत्या कर शव को गंगालूर मार्ग पर फेंक दिया है, जिसके बाद पुलिस दल को रवाना किया गया और शव को बरामद कर लिया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर हमलावर नक्सलियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य घटना में नक्सलियों ने बीजापुर जिले के ही चेरकंटी पटेलपारा गांव के करीब एक ट्रक, एक हाइवा और एक जेसीबी मशीन में आग लगा दी। उन्होंने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली है कि शुक्रवार को हथियारबंद नक्सली चेरकंटी गांव पहुंचे और वहां प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बन रहे सड़क का काम रुकवा दिया, बाद में नक्सलियों ने वाहनों में आग लगा दी। घटना को अंजाम देने के बाद नक्सली वहां से फरार हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है।

राहुल ने मुंबई की इमारत में आग लगने की घटना पर दुख जताया, कार्यकताओं से मदद की अपील की

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मुंबई की एक बहुमंजिला इमारत में आग लगने की घटना पर दुख जताया और पार्टी कार्यकताओं का आह्वान किया कि वे प्रभावित लोगों की हर संभव मदद करें। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में कहा, 'मुंबई की बहुमंजिला इमारत में आग लगने की दुखद खबर मिली है। घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। इस घटना में जख्मी हुए लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' राहुल गांधी ने कहा, 'मैं कांग्रेस कार्यकताओं से अपील करता हूं कि वे हर संभव मदद करें।' मध्य मुंबई के ताड़देव इलाके में एक बहुमंजिला आवासीय इमारत की 18वीं मंजिल पर शनिवार सुबह भीषण आग लगने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य जख्मी हो गए। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) के एक अधिकारी ने बताया कि गोवालिया टैंक में गांधी अस्पताल के सामने स्थित इमारत 'कमला' में सुबह करीब सात बजे आग लगी, उस समय इसमें रहने वाले कई लोग सो रहे थे।

अमेरिका-कनाडा बॉर्डर पर ठंड से जमकर 4 भारतीयों की मौत, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राजदूतों से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। अमेरिका और कनाडा की सीमा से एक बहुत ही दर्दनाक खबर सामने आई। सर्द मौसम में चार भारतीयों की जमकर मौत हो गई है। मरने वालों में एक शिशु और एक किशोर शामिल है। इसको लेकर भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दुख जताया है और कनाडा व अमेरिका के दूतावास से रिपोर्ट मांगी है। पूरे मामले को मानव तस्करी से जुड़ा मामला बताया जा रहा है। कनाडा पुलिस ने बताया कि एमर्सन के नजदीक कनाडा-अमेरिका सीमा पर कनाडा की ओर चार शव मिले, जिनमें दो शव व्यस्कों के, एक किशोर के और एक नवजात शिशु के हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि मृतक भारत से आए थे और कनाडा से अमेरिका की सीमा में दाखिल होने की कोशिश कर रहे थे। कनाडा पुलिस के ज्वाइंट कमिश्नर जेन मैक्लैची ने मीडिया को इस बात की जानकारी देते हुए कहा कि मैं जो जानकारी साझा करने जा रहा हूं वो कई लोगों के लिए सुनना मुश्किल है। ये निश्चित रूप से हृदय विधारक हादसा है। जांच के शुरूआती दौर में लगता है कि सभी की मौत सर्द मौसम की वजह से हुई है।

राजदूतों से स्थिति पर तत्काल कदम उठाने को कहा

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हैरानी व्यक्त की है और दोनों देशों के राजदूतों से स्थिति पर तत्काल प्रतिक्रिया देने को कहा है। अमेरिका में भारतीय दूत तरणजीत सिंह संधू ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद घटना बताया। जयशंकर ने ट्विट करते हुए लिखा कि इस खबर से स्तब्ध हूं कि कनाडा-अमेरिका सीमा पर एक शिशु सहित 4 भारतीय नागरिकों की जान चली गई है। वहीं कनाडा में भारत के उच्चायुक्त अजय बिसारिया का कहना है कि ग्यह एक गंभीर त्रासदी है। एक भारतीय कांसुलर टीम आज कोऑर्डिनेट और सहायता के लिए भारत के महावाणिज्य दूतावास, टोरंटो से मैनिटोबा के लिए रवाना की गई है।

आतंकवादी केवल आतंकवादी होता है, उसके महिमामंडन की अनुमति नहीं दी जा सकती: लेखी

नयी दिल्ली। विदेश राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी ने शुक्रवार को कहा कि आतंकवाद को सही नहीं ठहराया जा सकता और संयुक्त राष्ट्र द्वारा व्यक्ति और संगठनों पर निष्पक्ष होकर प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए न कि किसी राजनीतिक या धार्मिक सोच के आधार पर। वैश्विक आतंकवाद रोधी परिषद द्वारा आयोजित ह्यअंतरराष्ट्रीय आतंकवाद रोधी सम्मेलन 2022ह्ल को संबोधित करते हुए लेखी ने आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोगात्मक रवैया अपनाने का आह्वान किया और इस समस्या के मुकाबले के लिए राजनीतिक इच्छा शक्ति की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा, ह्लहमें आतंकवाद से निपटने के लिए राजनीतिक इच्छा शक्ति की जरूरत है और आतंकवाद के महिमामंडन और उसे सही ठहराने की अनुमति नहीं दी जा सकती ह्ल उन्होंने कहा कि आतंकवादी केवल आतंकवादी होता है। लेखी ने कहा, ह्लहमें आतंकवाद रोधी और प्रतिबंध लगाने वाली समितियों की कार्यशैली में परिवर्तन करना होगा। पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और दक्षता पूर्ण रवैया आज की जरूरत हैं।

चुनाव आयोग की बैठक में फैसला, रोड शो और रैली पर अभी भी जारी रहेगी पाबंदी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने है। चुनाव आयोग की ओर से चुनावी तारीखों का ऐलान भी कर दिया गया है। इन सबके बीच कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग की ओर से चुनावी रैली, जुलूस और रोड शो निकालने पर पाबंदियां लगाई गई है। चुनावी ऐलान के साथ ही आयोग की ओर से यह पाबंदियां लगाई गई थीं जिसे पिछले हफ्ते 22 जनवरी तक बढ़ा दी गई थी। इन सब के बीच आज पाबंदियों को लेकर एक बार फिर से चुनाव आयोग की बैठक हुई। वर्तमान स्थिति की समीक्षा के बाद इसे फिर 1 हफ्ते बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

चुनाव आयोग की बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ सभी आयुक्त और उपायुक्त भी शामिल हुए। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रमुख सचिव ने बैठक में चुनाव आयोग को टीकाकरण तथा संक्रमण को लेकर जानकारी दी। निर्वाचन आयोग ने चुनावी राज्यों में टीकाकरण की रफ्तार को और बढ़ाने के लिए कहा है। साथ ही साथ पाबंदियों को फिलहाल जारी रखने का भी फैसला लिया गया है। सूत्री बता रहे हैं कि आने वाले दिनों में चुनाव आयोग की ओर से पाबंदियों में ढील जरूर दी जाएगी लेकिन शर्तें भी लागू रहेंगी।

हालांकि यह बात भी सच है कि कहीं ना कहीं चुनाव में कोविड-19 प्रोटोकॉल का भी उल्लंघन देखने को मिल रहा है। टिकट मिलने के बाद जश्न भी मनाया जा रहे हैं जिसमें भारी भीड़ देखने को मिल रही है। इसके अलावा नेताओं के डोर-टू-डोर कैंपेन में 5 लोगों से ज्यादा व्यक्ति दिखाई दे रहे हैं। चुनाव आयोग मणिपुर में टीकाकरण की रफ्तार से असंतुष्ट है तथा इसे और तेज करने के निर्देश भी दिया गया है। पंजाब में भी टीकाकरण की रफ्तार को बढ़ाने के लिए कहा गया है। गोवा, उत्तराखंड और यूपी में टीकाकरण के आंकड़े से चुनाव आयोग संतुष्ट है और संक्रमण पर भी लगातार नजर बनाए हुए हैं।

पश्चिम बंगाल के गैर-भाजपा दलों ने अमर जवान ज्योति पर केंद्र के कदम की आलोचना की

कोलकाता। राजधानी दिल्ली के इंडिया गेट स्थित अमर जवान ज्योति का विलय राष्ट्रीय समर स्मारक के साथ करने के नरेंद्र मोदी नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के कदम की पश्चिम बंगाल में गैर-भाजपा दलों ने शुक्रवार को आलोचना की। तृणमूल कांग्रेस समेत गैर भाजपा दलों के नेताओं ने कहा कि यह 1971 में पाकिस्तान के साथ युद्ध में शहीद हुए भारतीय सैनिकों के अनादर के समान है जिसने बांग्लादेश को आजाद कराने में मदद की। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने फैसले की आलोचना करते हुए संवाददाताओं से कहा कि यह फैसला भारत के इतिहास, 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में देश के सैनिकों की शहादत का अपमान है। घोष ने दावा किया, 'जिन लोगों का भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में कोई योगदान नहीं है, जिन्हें हमारे स्वतंत्रता संग्राम और सैनिकों की वीरता के लिए कोई सम्मान नहीं है, वे अमर जवान ज्योति को इंडिया गेट में अपने मूल स्थान से स्थानांतरित कर सकते हैं, गणतंत्र दिवस परेड से राज्य से नेताजी की झांकी को हटा सकते हैं।' पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर चौधरी ने भी इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि मोदी नेतृत्व वाली सरकार अरबों भारतीयों की भावनाओं पर विचार किए बिना मनमाने तरीके से निर्णय ले रही है। माकपा प्रदेश सचिव सूर्यकांत मिश्रा ने कहा, 'मोदी सरकार आरएसएस की विचारधारा द्वारा निर्देशित है, जिसकी भारत के स्वतंत्रता संग्राम में कोई भूमिका नहीं थी। हम बार-बार कह रहे थे कि भाजपा ने भारत के इतिहास का मजाक बनाया है। गणतंत्र दिवस से पहले उनका यह कृत्य इस तथ्य की ओर इशारा करता है।'

उत्तर प्रदेश में तीसरे मोर्चे का गठन, ओवैसी ने दिया दो मुख्यमंत्री और तीन उपमुख्यमंत्री का फॉमूर्ला

नई दिल्ली (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के ऐलान के साथ ही सभी राजनीतिक दलों ने अपना दमखम लगाना शुरू कर दिया है। इन सब के बीच अब तीसरे मोर्चे का भी ऐलान हो गया है। वैसे तो उत्तर प्रदेश में मुख्य मुकाबला समाजवादी पार्टी और सत्तारूढ़ भाजपा के बीच मानी जा रही है। बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस भी अपना दम लगा रही हैं। इन सबके बीच असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व में अब तीसरे मोर्चे का भी गठन कर लिया गया है। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने उत्तर प्रदेश में बाबू सिंह कुशवाहा और भारत मुक्ति मोर्चा के साथ गठबंधन की घोषणा की है।

गठबंधन के ऐलान के साथ ही ओवैसी ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को लेकर एक फॉमूर्ला दिया है। ओवैसी ने दावा किया कि अगर उत्तर प्रदेश में सरकार बनती है तो दो मुख्यमंत्री होंगे, एक ओबीसी समुदाय से और दूसरा दलित समुदाय से। इसके अलावा तीन उप मुख्यमंत्री होंगे जिसमें मुस्लिम समुदाय भी शामिल होगा। आपको बता दें कि इससे पहले ओवैसी ने ओमप्रकाश राजभर के साथ गठबंधन किया था। हालांकि बाद में ओमप्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी से गठबंधन कर लिया।

इससे पहले असदुद्दीन ओवैसी की ओर से लगातार दावा किया जा रहा है कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में 100 सीटों पर चुनाव लड़ने जा रही है। ओवैसी ने कई सीटों के लिए उम्मीदवारों की ऐलान भी कर दिए हैं। ओवैसी की पार्टी की ओर से मुस्लिम बहुल विधानसभा क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारे जा रहे हैं। हालांकि ओवैसी की सूची में हिंदू उम्मीदवारों के भी नाम है। इन सबके बीच उत्तर प्रदेश में विपक्ष ओवैसी को भाजपा की बी टीम लगातार बता रहा है।

समाजवादी पार्टी की सरकार बनी तो आईटी क्षेत्र में 22 लाख युवाओं को देंगे रोजगार : अखिलेश यादव

लखनऊ। (एजेंसी)

समाजवादी पार्टी (सपा)के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को वादा किया कि पार्टी की सरकार बनने पर उत्तर प्रदेश के 22 लाख युवाओं को आईटी क्षेत्र में रोजगार दिया जाएगा। अखिलेश यादव ने यह घोषणा यहां अयोजित संवाददाता सम्मेलन में की। इस अवसर पर बरेली के पूर्व सांसद प्रवीण सिंह ऐरन और उनकी पत्नी व इस चुनाव में कांग्रेस में उम्मीदवार सुप्रिया ऐरन सपा में शामिल हुईं। अखिलेश ने बरेली की पूर्व महापौर सुप्रिया को बरेली कैंट से सपा का प्रत्याशी घोषित किया है। इसके अलावा संडीला से पूर्व विधायक महावीर सिंह की पत्नी रीता सिंह भी पार्टी में शामिल हुईं। अखिलेश यादव ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 'वर्ष 2022 में बाइसिकल का नारा साकार करने के लिए सपा आज संकल्प लेती है। आईटी सेक्टर में 22 लाख युवाओं को नौकरी देने का संकल्प लेते हैं, इसके लिए सरकार काम करेगी। जो सरकार 18 लाख लैपटॉप दे सकती है, वो सरकार इस दिशा में देर नहीं लगाएगी। यह नौकरी आईटी सेक्टर वालों को मिलेगी।' उन्होंने कहा, जो समाजवादी पार्टी 18 लाख लैपटॉप बांट सकती है उसको 22 लाख रोजगार आईटी के क्षेत्र में देने में समय नहीं लगेगा। आईटी सेक्टर के लिए पहला संकल्प हैं कि 22 लाख युवाओं को इस क्षेत्र में रोजगार दिया जाएगा।

पाकिस्तान के फेक न्यूज प्रोपेगेंडा पर सरकार की डिजिटल स्ट्राइक, देश विरोधी खबरें फैलाने वाले 35 यूट्यूब चैनल को किया ब्लॉक

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत सरकार ने पाकिस्तान की नापाक साजिश को एक बार फिर बेनकाब किया है। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने 35 यूट्यूब चैनलों और दो वेबसाइटों को ब्लॉक कर दिया है। बताया जा रहा है कि इन चैनलों और वेबसाइट्स को पाकिस्तान से संचालित किया जा रहा था। मंत्रालय के मुताबिक इन चैनलों और वेबसाइट्स के माध्यम से भारत विरोधी दुष्प्रचार फैलाया जा रहा था। इसमें दो ट्विटर अकाउंट, दो इंस्टाग्राम अकाउंट और एक फेसबुक अकाउंट को भी ब्लॉक कर दिया गया है। ये भी पता लगा है कि मंत्रालय द्वारा ब्लॉक किए गए इन यूट्यूब चैनलों पर सब्सक्राइबर एक करोड़ 20 लाख से ज्यादा थे। इनके वीडियो को 130 करोड़ से ज्यादा बार देखा गया है।

सरकार की सूचना प्रोद्योगिकी मंत्रालय ने पाकिस्तान स्थित सोशल मीडिया के खातों और वेबसाइट्स को बैन करने के आदेश दे दिए हैं। भारतीय खुफिया विभाग इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का लंबे वक्त से निगरानी कर रही थीं। जिसके बाद मंत्रालय ने इन चैनलों और वेबसाइट्स को तत्काल प्रभाव से ब्लॉक करने का आदेश दिया है। बताया जा रहा है कि ब्लॉक किए जाने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में 35 यूट्यूब चैनल और वेबसाइट्स शामिल हैं।

गौरतलब है कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने पिछले साल दिसंबर में खुफिया एजेंसियों के साथ एक समन्वित प्रयास में 20 यूट्यूब चैनल और दो वेबसाइट को अवरुद्ध (ब्लॉक) करने का आदेश दिया था, क्योंकि वे भारत विरोधी दुष्प्रचार और फर्जी खबरें फैला रहे थे। मंत्री ने कहा, और भविष्य में भी, भारत के खिलाफ साजिश रचने, झूठ फैलाने और समाज को विभाजित करने वाले ऐसे किसी भी अकाउंट को ब्लॉक करने के लिए कार्रवाई की जाएगी।

आतंकी खतरे के बीच दिल्ली मेट्रो में बढ़ाई गई सुरक्षा, हर एक यात्री की हो रही चेकिंग, लगातार गश्त कर रहे कमांडो

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

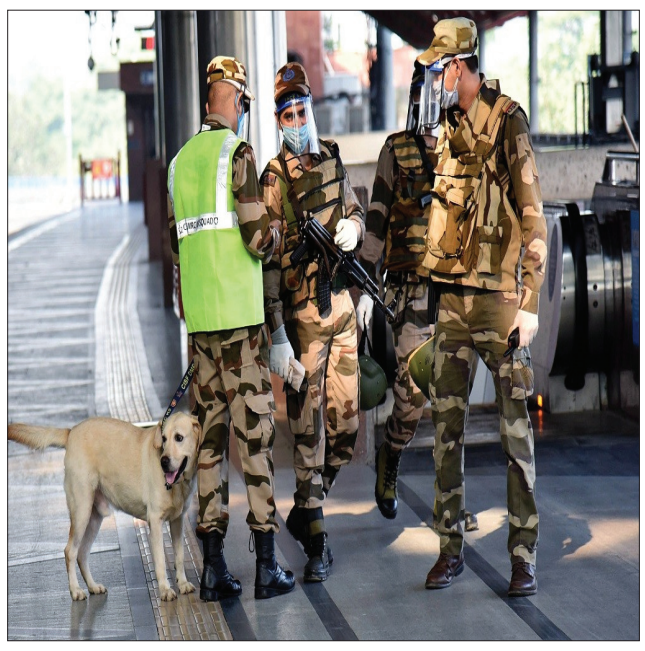

गणतंत्र दिवस के मद्देनजर खुफिया एजेंसी ने आतंकी अलर्ट जारी किया है। जिसके बाद से सुरक्षा व्यवस्था को और भी ज्यादा बढ़ा दिया गया है। गणतंत्र दिवस के मौके पर आतंकवादी हमले की फिराक में रहते हैं। जिसको लेकर समय-समय पर खुफिया एजेंसियां अलर्ट जारी करती हैं। ऐसे में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इसके अलावा दिल्ली की लाइफ लाइन मानी जाने वाली मेट्रो की भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। मेट्रो स्टेशनों पर कमांडो तैनात किए गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा और कोरोना प्रोटोकॉल के चलते यात्रियों की लंबी लाइन लग रही है। प्लेटफॉर्म पर सीआईएसएफ के हथियारों से लैस कमांडो भी तैनात हैं और यह कमांडो लगातार गश्त कर रहे हैं।

आपको बता दें कि गणतंत्र दिवस को देखते हुए सुरक्षा को पुख्ता किया गया है। इसके अलावा मेट्रो स्टेशन पर चेकिंग भी बढ़ा दी गई है। कोरोना महामारी के चलते स्टेशनों के कुछ ही गेट खुले हुए हैं। जिसकी वजह से यात्रियों की लंबी-लंबी लाइन लग रही हैं। खुफिया एजेंसियों ने हाल ही में अलर्ट जारी किया था कि अल बदर और जैश के आतंकवादी पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के रास्ते भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं। इन आतंकवादियों के साथ एक गाइड भी मौजूद था।

ऊंचाई से दिया जा रहा पहरा

आतंकी अलर्ट को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और भी ज्यादा मजबूत किया गया है। सीआईएसएफ कमांडो न सिर्फ स्टेशनों के बाहर और भीतर गश्त कर रहे हैं बल्कि ऊंचाई से भी निगरानी कर रहे हैं। ताकि किसी भी अनहोनी का टाला जा सके।

गोवा की राजनीति का नासूर है दलबदल का धब्बा, कई पार्टियों की डूबो चुका है लुटिया

पणजी। (एजेंसी)

इतिहास गवाह है कि दलबदल की राजनीति बहुत ज्यादा कष्टदायक रही है। दल बदल की राजनीति ने कई पार्टियों के मुंह से सत्ता का स्वाद छीन लिया है। बहुत उच्च साक्षरता दर वाला समृद्ध गोवा लंबे समय से दलबदल की राजनीति से ग्रसित है।आया राम-गया राम शब्द की उत्पत्ति हरियाणा से हुई थी लेकिन गोवा उससे भी आगे निकल गया है, जो सबसे बेशर्म राजनीतिक टर्नकोट के घर के रूप में है। गोवा राज्य दलबदल की राजनीति का बहुत बड़ा उदाहरण रहा है। गोवा में बीते पांच साल में लगभग 24 विधायकों ने एक पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी का दामन थामा है, जो 40 सदस्यीय राज्य विधानसभा में विधायकों की कुल संख्या का 60 प्रतिशत है। एक संगठन की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

दलबदल की राजनीति से पीड़ित है गोवा

'एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि इस मामले में गोवा ने एक विचित्र रिकॉर्ड कायम किया है, जिसकी भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। गोवा में 14 फरवरी को विधानसभा चुनाव के लिये मतदान होना है।

पांच साल में 24 विधायकों ने बदला दल

रिपोर्ट में कहा गया है, मौजूदा विधानसभा (2017-2022) के पांच साल के कार्यकाल के दौरान लगभग 24 विधायकों ने दल बदला, जो सदन में विधायकों की कुल संख्या का 60 प्रतिशत हिस्सा है। भारत में इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ। इससे जनादेश के घोर अनादर की बात बिल्कुल साफ नजर आती है और अनियंत्रित लालच नैतिक दृष्टिकोण व अनुशासन पर भारी पड़ता दिखाई देता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 24 विधायकों की सूची में विश्वजीत राणे, सुभाष शिरोडकर और दयानंद सोपटे के नाम शामिल नहीं हैं, जिन्होंने 2017 में कांग्रेस विधायकों के रूप में विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। वे सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हो गए थे और उसके टिकट पर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस के 10 विधायक 2019 में पार्टी का दामन छोड़ भाजपा में शामिल हो गए थे। इनमें नेता प्रतिपक्ष चंद्रकांत कावलेकर भी शामिल थे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में जाने वाले कांग्रेस के अन्य विधायकों में जेनिफर मोनसेरेट (तालिगाओ), फ्रांसिस्को सिल्वरिया (सेंट आंद्रे), फिलिप नेरी रोड्रिग्स (वेलिम), विल्फ्रेड नाजरेथ मेनिनो डी सा (नुवेम), क्लैफसियो डायस (कनकोलिम), एंटोनियो कारानो फर्नांडीस (सेंट क्रूज), नीलकंठ हलर्नकर (टिविम), इसिडोर फर्नांडीस (कैनकोना), अतानासियो मोनसेरेट (जिन्होंने मनोहर पर्रिकर के निधन के बाद 2019 में पणजी उपचुनाव जीता था) शामिल हैं। महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (एमजीपी) के विधायक दीपक पौस्कर (संवोर्डेम) और मनोहर अजगांवकर (पेरनेम) भी इसी अवधि के दौरान भाजपा में शामिल हो गए थे। सालिगांव से गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) के विधायक जयेश सालगांवकर भी भाजपा में शामिल हो गए थे। हाल में गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री तथा पोंडा से कांग्रेस विधायक रवि नाइक सत्तारूढ़ भगवा पार्टी में शामिल हुए। एक अन्य पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस नेता लुइजिन्हो फलेरियो (नावेलिम) ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का दामन थामा और वह 14 फरवरी के विधानसभा चुनावों में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। साल2017 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के टिकट पर जीतने वाले पूर्व मुख्यमंत्री चर्चिल अलेमाओ ने भी हाल में टीएमसी का रुख किया। साल 2017 के चुनावों में, कांग्रेस 40 सदस्यीय सदन में 17 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी, लेकिन सरकार नहीं बना सकी,

क्योंकि 13 सीटें जीतने वाली भाजपा ने कुछ निर्दलीय विधायकों और क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन कर सरकार बना ली थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में भाग लो ईनाम जीतो

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने पर ईनाम जीतो

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई